■ आश्विन कृष्णा - 4 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 71 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 03-10-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 महात्मा गांधी का अहिंसा का संदेश लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत : योगी आदित्यनाथ

6 भाजपा को तेलंगाना चुनाव से इतनी उमीदें क्यों?

7 वैश्विक शक्ति-साझाकरण ढांचे में जगह पाने के लिए राजनीतिक प्रक्रिया में हिस्सा लें हिंदू

फर्स्ट टेक

मेघालय में 5.2 तीव्रता का भूकंप

शिलांग/भाषा। मेघालय और आस-पास के राज्यों में सोमवार को 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने यह जानकारी दी। भूकंप के कारण किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भूकंप का झटका शाम छह बजकर 15 मिनट पर राज्य के नॉर्थ गारो हिल्स जिले में महसूस किया गया। भूकंप का केंद्र जिला मुख्यालय रेसुबेलपारा से लगभग तीन किमी दूर जमीन की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था।

खादी भारतीय धरोहर, विरासत का प्रतीक : नड्डा

लोगों से खादी खरीदने की जे पी नड्डा ने अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को गांधी जयंती के मौके पर खादी को भारतीय धरोहर और विरासत का प्रतीक बताया और लोगों से खादी उत्पाद खरीदने की अपील की।

नड्डा ने इस अवसर पर राजधानी के कनॉट प्लेस स्थित खादी स्टोर का दौरा किया और वहां से कुछ वस्त्र भी खरीदे। उन्होंने 'एक्स' पर किए एक पोस्ट में कहा, खादी हमारी धरोहर और विरासत का प्रतीक है। आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर नई दिल्ली स्थित 'खादी स्टोर' से खादी के वस्त्र खरीदे। नड्डा ने कहा कि खादी को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाने के लिए प्रतिबद्ध प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 'सफलतम प्रयासों' से खादी उद्योग नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा, मैं सभी देशवासियों से कम से कम एक खादी उत्पाद खरीदने और उत्सव समारोहों के दौरान 'वोकल फॉर लोकल' मंत्र को अपनाने का आग्रह करता हूं।

इससे पहले नड्डा ने राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, पूज्य बापू हमारे पथ-प्रदर्शक हैं। स्वदेशी, स्वराज व स्वभाषा के लिए आपके आग्रह सदैव हमारी प्रेरणा हैं।

'विपक्षी दलों का रवैया विकास विरोधी, देश की तारीफ से होता है पेट में दर्द'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्वालियर (मप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकास विरोधी' राजनीति के लिए विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि उनके (विपक्ष के) पास कोई सोच या 'रोडमैप' नहीं है और मौजूदा सरकार के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में देश की प्रगति देखने से उन्हें नफरत है।

मोदी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विरोधी दलों को वैश्विक मंचों पर आजकल देश की हो रही प्रशंसा पसंद नहीं है। उन्होंने कहा, पूरी दुनिया भारत का गौरव गान कर रही है। आज दुनिया को भारत में अपना भविष्य दिखता है, लेकिन जो राजनीति में उलझे हैं और जिन्हें कुर्सी के सिवाय कुछ नजर नहीं आता है, उन्हें आज दुनिया में हिंदुस्तान का डंका बजना भी अच्छा नहीं लगता है। उन्होंने कहा, भारत नौ साल में 10वें नंबर से पांचवें नंबर की आर्थिक ताकत बन गया है, लेकिन विकास-विरोधी लोग ये सिद्ध करने में जुटे हैं कि ऐसा हुआ ही नहीं है। उन्होंने कहा, मोदी ने गारंटी दी है कि अगले कार्यकाल में दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में एक नाम हमारे हिन्दुस्तान का होगा और इससे भी सत्ता के भूखे लोगों के पेट में दर्द हो रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को मध्य प्रदेश में 19,260 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद ग्वालियर में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित कर रहे थे। मध्य प्रदेश में साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को 'डबल इंजन' की सरकार (राज्य और केंद्र में भी भाजपा सत्ता में है) पर भरोसा है, क्योंकि इसने मध्य प्रदेश का 'डबल-विकास' सुनिश्चित किया है। मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार ने मध्य प्रदेश को 'बीमारू' श्रेणी से बाहर निकाला है और विकास के मामले में इसे देश के शीर्ष 10 राज्यों में शामिल कराया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष-शासित राज्यों में अपराध और भ्रष्टाचार बड़े पैमाने पर है, जबकि बुनियादी ढांचे और विभिन्न क्षेत्रों में विकास भाजपा-शासन की प्रमुख विशेषताएं हैं। उन्होंने कहा, मध्य प्रदेश का विकास वे लोग नहीं कर सकते जिनके पास न तो कोई सोच है न विकास का रोडमैप। इनका एक ही काम है, देश की प्रगति से नफरत, भारत की योजनाओं से नफरत। अपनी नफरत में ये देश की उपलब्धियों को भूल जाते हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

उल्टा-पुल्टा

जज ही जब दिखते लाचार,
जनता जाए किसके द्वार।
डाक्टर दिखे स्वयं बीमार,
कौन करेगा तब उपचार।
घूम रहे गुरु बन मक्कार,
शिक्षा आज बनी व्यापार।
नेता कुंठित भ्रष्ट लबार,
कैसे चल पाए सरकार।।

काटालिन कारिको और ड्रयू वीसमैन को कोविड रोधी एमआरएनए टीकों के विकास में योगदान के लिए नोबेल चिकित्सा पुरस्कार

स्टाकहोम/एपी। इस बार चिकित्सा क्षेत्र का नोबेल पुरस्कार काटालिन कारिको और ड्रयू वीसमैन को कोविड-19 से लड़ने के लिए एमआरएनए टीकों के विकास से संबंधित उनकी खोजों के लिए प्रदान किया जाएगा। नोबेल असेंबली के सचिव थॉमस पर्लमैन ने सोमवार को स्टाकहोम में पुरस्कार की घोषणा की। कारिको हंगरी स्थित सेगेन्स यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं, वहीं पेनसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी में भी पढ़ाती हैं। वीसमैन ने पेनसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी में कारिको के साथ यह अनुसंधान किया। पुरस्कार समिति ने कहा, अपने अभूतपूर्व अनुसंधान के माध्यम से, जिसने एमआरएनए और हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली के संपर्क को लेकर हमारी समझ को मौलिक रूप से बदल दिया है, पुरस्कार विजेताओं ने आधुनिक समय में मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक के दौरान टीके के विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया।

आईएसआईएस मॉड्यूल से जुड़े होने के आरोपी मोहम्मद शाहनवाज तथा उसके दो सहयोगियों को किया गया गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को एनआईए की अति वांछित आतंकवादियों की सूची में शामिल एवं एक आईएसआईएस मॉड्यूल से जुड़े होने के आरोपी मोहम्मद शाहनवाज तथा उसके दो सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के पास से आईईडी बनाने में इस्तेमाल होने वाली संदिग्ध सामग्री मिली है। उन्होंने बताया कि शाहनवाज को दिल्ली के जैतपुर से गिरफ्तार किया गया, जबकि मोहम्मद रिजवान अशरफ और मोहम्मद अरशद वारसी को क्रमशः उत्तर प्रदेश के लखनऊ और मुरादाबाद से गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने कहा कि तीनों आरोपियों को एक सप्ताह के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि तीनों आरोपी इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर चुके हैं।

हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं

जिन्दादिल, सुलझे विचारों के मस्त और तबीयत से सेवाभावी व्यक्तित्व
जिनशासन व कोठारी परिवार के गौरव निष्कपट, निष्ठापूर्ण व निश्छल
कर्मयोगी रमेशकुमारजी जुहारमलजी कोठारी
(बिठुडा पिरान-राजस्थान/बेंगलोर)
ने गोडवाड की राजधानी के नाम से ख्याति प्राप्त
श्री वरकाणा पार्श्वनाथ जैन तीर्थ पेढी
के सम्पन्न हुए चुनावों में गौरवमयी अध्यक्ष पद पर रिकॉर्ड बहुमत
के साथ जीत हासिल कर एक नए इतिहास का सृजन किया है ।
परमात्मा से यही प्रार्थना कि आपके नेतृत्व में 5 वर्षीय कार्यकाल
यशस्वी बनें एवं जिनशासन की सौरभ और सुवासित हो ।

अनुमोदनकर्त्ता

भाभीजी: सुशीला गजराजजी भाई-भाभी: नगराज-बिंदू धर्मपत्नी: ममता रमेशकुमार अनुज-वधू: इन्दरचंद-रेखा
भतीज वधू : टीनू स्व. दिनेश, भतीज-भतीज वधू : मनीष-विपाशा, पुनीत-सपना, कामेश-श्रेया
भतीज : हेमन्त, चिराग, पौत्र : कल्प, क्रियांश
पुत्री-दामाद : सपना-निर्मलकुमारजी भंसाली, निधि-निखिलजी बोहरा दोहिता-दोहिती : जाह्नवी, अहान भंसाली
एवं समस्त ऋषभगोता कोठारी परिवार, बिठुडा पिरान/बेंगलोर

Sapna Pharmaceuticals Pvt. Ltd., Bangalore/ Ranibennur
Rajsons Pharma Pvt. Ltd., Bangalore / Ahemdabad
Namanidhi Pharmaceutical Pvt. Ltd., Ahemdabad
Namanidhi Pharma, Ahemdabad / Bangalore / Mumbai / Sumerpur

महासंघ द्वारा सामूहिक क्षमापना में तपस्वियों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां जैन समुदाय के सब संतों को एक मंच में लाने और जैन एकता की मिशाल प्रस्तुत करने के लिए सामूहिक क्षमापना का आयोजन महासंघ द्वारा गुजराती समाज भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सम्पूर्ण जैन संघ की सहभागिता रही। कोयम्बटूर में उपस्थित सभी चारित्र आत्माओं ने कार्यक्रम में पधारकर जैन एकता एवं क्षमा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के लाभार्थी सभी साधार्मिक परिवारों द्वारा हार्दिक अनुमोदना की। कार्यक्रम में वर्षीतप के लगभग 250 तपस्वी, 11 एवं 11 से

ऊपर की तपस्या करने वाले अनेक तपस्वियों का सम्मान किया गया। उर्मिला सुराणा, कवीन राठौर एवं तमन्ना गादिया का उनकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए महासंघ की तरफ से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में एसएस जैन युवक मंडल, श्री नाकोडा युवक मण्डल, श्री राजेन्द्रसूरी नवयुवक मंडल, श्री कच्छी दशा ओसवाल जैन ज्ञाति महाजन के कार्यकर्ताओं ने अपनी सेवायें दी। महासंघ के संस्थापक अध्यक्ष चम्पालाल बाफना, निवर्तमान अध्यक्ष रमेश सुतलिया, अध्यक्ष भवरलाल कोठारी, सचिव गुलाबचन्द मेहता, कोषाध्यक्ष गौतम बाफना, सह कोषाध्यक्ष लितिन शाह उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन गुलाब मेहता ने किया।

आत्मा की शुद्धि होने पर ही संसार से आत्मा को मुक्ति नहीं मिल सकती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बिना त्याग किए आत्मा को संसार से मुक्ति नहीं मिल सकती है। सोमवार को जैन भवन साहूकारपेट में महासती धर्मप्रभा ने कहा कि आत्मा की जब तक शुद्धि नहीं हो जाती है तब तक आत्मा को मुक्ति नहीं मिल सकती है। सांसारिक मोह और भौतिक सुखों के त्यागे बिना आत्मा का कल्याण नहीं हो सकता है। आत्मा का पुरुषार्थ ही उसे मुक्ति दिलाता है। संसार में मनुष्य का शरीर वह माध्यम है जिससे हम मुक्ति का पथ प्राप्त कर सकते है। आत्मा की उन्नति साधना से होती है, साधन से नहीं हो सकती है। साधना ही वह मार्ग है जिससे आत्मा को मुक्ति और मोक्ष मिलता है संसार के भौतिक सुख क्षण मात्र के है जिससे सुख नहीं दुखः प्राप्त होता है। साध्वी स्नेह प्रभा ने कहा कि आत्मा अनेकों में से एक है। यह आते-जाते रूपों के बीच स्थिर है। जब तक मनुष्य त्याग नहीं करेगा तब तक आत्मा का कल्याण और उद्धार नहीं करा सकता है।

तीन दिवसीय आवासीय धार्मिक शिविर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। श्री कोयंबतूर स्थानकवासी जैन संघ के तत्वावधान में साध्वी डॉ सुप्रभाजी. म.सा सुधा, साध्वी डॉ. उदित प्रभाजी. म. सा. उषा, साध्वी डॉ. हेमप्रभाजी. म.सा हिमांशु, साध्वी डॉ. इमित प्रभाजी. म.सा, साध्वी उन्नति प्रभाजी. म.सा व साध्वी नीलेश प्रभाजी. म.सा आदि के पावन सानिध्य में तीन दिवसीय आवासीय बालिका शिविर का आयोजन किया गया। इन तीनों दिन तक बालिकाओं ने स्थानक भवन में ही रहकर धर्माराधना व ज्ञानोपर्जन किया।

संघ के अध्यक्ष राजेश बोहरा ने कहा कि शिविर का इन बालिकाओं ने एक दम सही उपयोग किया है, इससे ना सिर्फ उनके धार्मिक विकास हुआ है बल्कि व्यवहार व एक दूसरे से सम्पर्क व मैत्री भाव का विकास हुआ है। बालिकाओं ने तीनों ही दिन भवन में रहकर साधुचर्या की पालनी की और निकट से जाना की साधु जीवन क्या होता है। शिविरार्थियों ने दिन भर टाइम शेड्यूल अनुसार योग, प्रतिकमन, ज्ञानार्जन, व्यावहारिक ज्ञान संग धार्मिक क्रियाओं को आत्मसात किया।

सोमवार को हुए समापन समारोह का संचालन सचिव सुनील हिंगड ने किया। सह सचिव अजय टांटिया, कोषाध्यक्ष धनराज चोरड़िया, कार्यकारिणी सदस्य दिलीप बोहरा, अशोक नाहर, राजेश कुमार गादिया, ज्ञानचंद खारीवाल ने समारोह के सुचारू संचालन में सहभागिता निभाई। सभी शिविरार्थियों को श्रीसंघ की ओर से पारितोषिक प्रदान किए गए।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

अवसर उसे महत्व देता है जो अवसर को महत्व देता है : आचार्य देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में प्रवचन देते हुए आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरीजी ने कहा कि अवसर वह अनमोल मोती है, जिसे हड़पने के लिए विध्वंसक व सर्जक सदैव आतुर रहते हैं। यदि अवसर विध्वंसक के हाथ लगता है तो विनाश, महामारी, अराजकता, अनाचार, पीड़ा, दंश, असंतोष और पश्चाताप बनकर जीवन को पीड़ामय बनाता है, लेकिन यदि यह सर्जक के हाथ लगता है, तो आनंद, उत्साह, जिज्ञासा, संतोष, प्रेरणा, हर्ष, ज्ञान, सुख, शांति, सौहार्द, प्रेम व भाईचारे की आधार भूमि बनता है, वे आगे बोले की अवसर उसे महत्व देता है जो अवसर को महत्व देता है।अवसर उसकी मदद कभी नहीं करता, जो अपनी मदद नहीं करते।विवेकशील, कर्मठ व साधक व्यक्ति के सान्निध्य का अवसर ऐतिहासिक स्वर्णिम व स्मरणीय बन जाता है, किंतु निष्क्रिय व निकृष्ट सोच वाले व्यक्ति का साथ या अवसर कलंकित व कंटकाकीर्ण हो जाता है।

अवसर का सदुपयोग कर अध्ययन व श्रम से एक व्यक्ति आइएएस परीक्षा उत्तीर्ण कर सम्मानजनक पद पा लेता है, जबकि इसका दुरुपयोग कर कोई व्यक्ति किसी का कत्ल कर स्वयं को कलंकित कर आजीवन कारावास या मृत्युदंड भी प्राप्त कर सकता है। अवसर तपी व श्रेष्ठ व्यक्ति का साथ पाकर पारसमणि बन जाता है, जबकि गुणहीन व्यक्ति का साथ पाकर कलुषित व दागी हो जाता है। अवसर सदैव बुद्धिमान के पक्ष में रहता है। अवसर उस द्रुतगामी वायुयान या रेलगाड़ी की तरह है, जिसे निश्चित समय पर उस दूरस्थ यात्र के लिए निकलना ही है। श्रम संयोजन कर जो अवसर तक पहुंचता है, उसे वह समय पर अपने निर्धारित गंतव्य पर छोड़ देता है। वहीं जो निष्क्रिय है, हाथ पर हाथ धरे रह जाता है, वह फिर हाथ मलता ही रह जाता है।

तेरापंथ महिला मंडल, बेंगलूरु ने आयोजित की कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तत्वावधान में मुनिश्री हिमांशुकुमारजी स्वामी के सान्निध्य में 'दि पावर ऑफ सबकॉन्शियस माइंड' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया। अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल ने सबका स्वागत किया और कार्यशाला के विषय के बारे में जानकारी प्रदान की। मुनिश्री हिमांशुकुमारजी स्वामी ने कहा कि मन तीन प्रकार का होता है चेतन मन, अचेतन मन, अवचेतन मन। 90% हमारा अवचेतन मन कार्य करता है और 10% हमारा चेतन मन काम करता है।

अवचेतन मन में बहुत शक्ति होती है इसलिए उसे सकारात्मक पोषण देना चाहिए। जैसा हम सोचते हैं और बोलते हैं वह वैसी ही स्थिति निर्मित कर देता है। हम एक नियम बना दे कि हमारे मन में कभी नकारात्मक विचार उत्पन्न ना हो। कायोत्सर्ग द्वारा अवचेतन मन को जो हम सुझाव देते हैं वह जल्दी से ग्रहण करता है।

मुनिश्री हेमंत कुमारजी ने फरमाया कि मानव के पास विशेष शक्ति है मन्।

मन बहुत शक्तिशाली है मन का एक विभाग है अवचेतन मन, अवचेतन मन हम जो बोलते है सोचते है वह पकड़ लेता है,अगर हमारी भावना और शैली लक्ष्य से अलग है तो वह काम नहीं करेगा। अवचेतन मन तर्क वितर्क नहीं करता, जैसा है वैसा छाप देता है। वह जेरॉक्स मशीन की तरह है जो बोलते, सोचते हैं वह छाप देता है जो लक्ष्य निर्धारित किया है कम से कम उसके प्रतिकूल न सोचे।

सहमंत्री वीणा पोरवाल, कोषाध्यक्ष किरण गिलुंडिया, पूर्वाध्यक्ष कांता लोढ़ा आदि सदस्याएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन मंत्री ज्योति संचेती ने किया। संयोजिका विनीता चोरड़िया ने धन्यवाद दिया।

युवाओं ने टी.के. फॉल्स के आसपास की साफ सफाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन के सदस्यों ने महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को पूरा करने के उद्देश्य से थोट्टिकल्लू फॉल्स (टीके) के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया। फाउंडेशन के साथ सीआरपीएफ के सैनिकों ने भी सफाई अभियान में हिस्सा लिया। अध्यक्ष प्रवीणकुमार पांडेय ने बताया कि सदस्यों ने टी.के फाल्स के आसपास फैली गंदगी विशेषकर प्लास्टिक की बोतलें, चिप्स के पैकेट, कोल्ड ड्रिंक की बोतलें, कागज एकत्र कर साफ सफाई की। उपाध्यक्ष कर्नल राजीवसिंह ने बताया कि फाउंडेशन के 40 सदस्यों ने चार घंटे श्रमदान कर 25 बैग से अधिक कूड़ा एकत्र किया। फाउंडेशन के प्रवीण पांडे, प्रभात मिश्रा, दिलीप मिश्रा, सत्या सहित राणा सिंह, प्रशांत, नलिन, प्रकाश, आनंद, निशा, दिलीप, राजमणि, सौरभ ने सफाई अभियान में भाग लिया।

मर्यादा, नियमों का निर्वाह करने वाले ही बनते है मर्यादा पुरुष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम के एएमकेएम में विराजित साध्वी श्री चैतन्यश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में बताया राम राजा दशरथ के बड़े पुत्र थे। राजा बनने वाले थे। राजा बनने के लिए राज्याभिषेक होने वाला था परंतु अंतिम समय में राज्याभिषेक की जगह उनको वनवास मिला। परंतु उन्होंने हंसते हुए पिता के वचन को निभाने के लिए वनवास को सहर्ष स्वीकार किया। राम वनवास जाने से इंकार कर सकते थे। वह पिता को बोल सकते थे कि माता कैकेई को वचन आपने दिया है। मैं क्यों आपका वचन निभाऊ परंतु राम आज्ञाकारी पुत्र थे उन्होंने सोचा कि उन्होंने सोचा कि मैं राजा बन जाऊंगा तो न जाने मैं राजकाज में उलझ कर में धर्म से वंचित न हो जाऊं अच्छा हुआ जो मुझे धर्म करने के लिए पिता का आज्ञा मानने के लिए वनवास में जाना यही मेरे लिए उचित है। तुरंत राम ने पिता के आज्ञा को शिरोधार्य किया और अयोध्या से वनवास के लिए चल पड़े। परंतु सीता कहती है कि है नाथ जहां आप हैं वही मेरे लिए अयोध्या हैं। आप चाहे जंगल में रहो चाहे राजमहल में रहो। आप ही मेरे लिए सब कुछ हैं। आपके बगैर यह महल मुझे शमशान सा लगेगा इसलिए है हे नाथ मुझे साथ में ले जाओ। राम सीता को बहुत समझाते हैं। राम कहते हैं की वनवास मुझे मिला है तुमको नहीं। तुम यहीं पर रहो लेकिन सीता कहती है कि राम के बिना राजमहल किस काम का और सीता राम के साथ चल पड़ती है। जब लक्ष्मण को यह पता चलता है तो लक्ष्मण कहते हैं कि भैया आप मेरे बगैर कैसे जा सकते हैं यह लक्ष्मण जिएगा। तो राम के साथ जीयेगा और मरेगा तो भी राम के साथ। जहां राम हैं वही मेरे लिए अयोध्या हैं और लक्ष्मण भी राम के साथ 14 वर्ष के वनवास के लिए चल पड़ते हैं।14 वर्ष में राम को अनेक प्रकार के संकट आए परंतु राम कभी विचलित नहीं हुए। वह यही सोचते थे कि सब अच्छे के लिए हो रहा है और यही मेरा मार्ग है। अगर मैं इस मार्ग से विचलित हो जाऊं तो अनर्थ हो जाएगा और 14 वर्ष तक अनेक प्रकार के संकटों को सहने के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में अयोध्या लौटते हैं।

हमें राम बनना है क्या? हमें राम बनने के लिए कोई ऐसा कार्य किया है जो राम बन सके। हम काम तो रावण का करते हैं और आशा करते हैं कि मुझे भी लोग राम कहे। क्या आपके सोचने से कोई राम मान लेगा। आपने अपने जीवन में कभी ऐसा कोई कार्य किया है जो राम बनने योग्य हो क्या खाते पीते मौज मस्ती करने से राम बन जाएंगे। नहीं राम बनने के लिए आपको राम के बनाया रास्ते पर चलना होगा तभी आप मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में जाने जाओगे। आज की धर्म सभा मे अनेक क्षेत्रों से श्रद्धालु उपस्थित थे यह जानकारी पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचन्द पावेचा ने दी।

क्रोध जीवन की प्रगति का बहुत बड़ा अवरोधक है : मुनि गोयमप्रभ विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभ सूरीश्वरजी महाराज के शिष्य मुनि गोयमप्रभ विजयजी ने प्रवचन में कहा साधु जीवन का भाव है उपशम यानी क्षमा। क्षमा यानी जिसके साथ आपने गलत व्यवहार किया, उससे माफी मांग लेना। इसी तरह जो आपसे माफी मांगने आ रहे हैं, उन्हें भी माफ कर देना। ऐसा करने से अंतर्मन के कषाय धुल जाते हैं। क्षमा लाने के लिए क्रोध का त्याग करना होगा। क्षमा के पांच प्रकार होते हैं अपकार क्षमा, उपकार क्षमा, विपाक क्षमा, वचन क्षमा और स्वभाव क्षमा। अपकार क्षमा यानी डर के कारण रखने वाली क्षमा। उपकार क्षमा यानी उपकारी के उपकार को याद करके क्षमा दे देना, वह उपकार क्षमा है। हर जीव के परोक्ष या प्रत्यक्ष उपकार रहे हुए हैं, चाहे वह जन्मदाता माता-पिता हो या जीवनदाता, ये सब उपकारी हैं। विपाक क्षमा यानी क्रोध के परिणाम जानकर क्षमा देना। उन्होंने कहा क्रोध के दुष्परिणाम से जीवन में अशांति और मरण में असमाधि होती है। क्रोध की अवस्था में शरीर के धातु विषम बन जाते हैं। क्रोध से पाचन तंत्र बिगड़ता है। क्रोध से रोग प्रतिरोधक क्षमता घट जाती है, शरीर की ऊर्जा का नाश होता है। क्रोध के पीछे वैर- भाव की परंपरा चलती है। क्रोध के कारण सौंदर्य का नाश होता है, आपसी संबंध बिगड़ते हैं। मुनि ने कहा क्रोध के कारण लोकप्रियता का नाश होता है और अपयश नामकर्म का उदय होता है। क्रोध करने से हर क्षेत्र में निष्फलता मिलती है। क्रोध के कारण अपात्रता खड़ी हो जाती है। क्रोध करने से कर्मबंध होते है। क्रोध जीवन की प्रगति का बहुत बड़ा अवरोधक है। उन्होंने कहा मन को वश में करना तो अपने हाथ में है, जहां तक हो सके, क्रोध से दूर रहना चाहिए। लोग कहते हैं निमित्त मिलने से क्रोध आता है। वास्तव में निमित्त से क्रोध नहीं आता है। क्रोध हमारे अंदर रहा हुआ है, तभी आता है। यह हमारे अनादि काल के संस्कार है। महापुरूषों के वचन याद करके क्षमा-भाव रखना वचन क्षमा है। परमात्मा ने कहा है क्रोध हमारी आत्मा के लिए नुकसान कारक है, इन वचनों को हमेशा याद रखकर हृदय में क्षमा-भाव रखना चाहिए। उन्होंने कहा आत्मा का स्वभाव क्षमा है, इसलिए उसे स्वभाव क्षमा कहते है।

अणुव्रत से मानव में मानवता का होता विकास : साध्वी सिद्धांतश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के तत्वावधान में अणुव्रत समिति के तत्वावधान में अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के अन्तर्गत प्रथम दिन साम्प्रदायिक सौहार्द दिवस का आयोजन किया गया। आचार्य श्री महाश्रमणजी की शिष्या साध्वी लावण्यश्रीजी के पावन सान्निध्य में आयोजित सर्वधर्म सम्मेलन में राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी बीना दीदी, समन्वयक तमिलनाडु पुडुचेरी केरला, इस्लाम धर्म से डॉ श्रीमती जैनुब बी, हिंदू धर्म से सिद्ध गुरु श्री सैमी कंदा गुरु सिद्दर (श्री थोत्रमुदैया अम्मन अरुल ज्ञान पीदम) एवं सिख धर्म से श्री ज्ञानी प्रतिपाल सिंह (हेड- ग्रंथि) ने सहभागिता निभाई।

साध्वी सिद्धांतश्री ने कहा कि धरती पर जब जब धर्म का ह्रास हुआ, तब तब विभिन्न धर्म गुरुओं ने अपने-अपने सिद्धांतों के आधार पर धर्म का प्रचार प्रसार किया। भारत के आजादी के समय बह रही खुन की नदियों को देखते हुए मानव में मानवता का विकास, नैतिकता का निर्माण, इंसानियत के जागरण के लिए आज से 75 वर्ष पुर्व जैनाचार्य तुलसी ने अणुव्रत आन्दोलन का सूत्रपात किया। वर्तमान के भौतिकतावादी वातावरण में अणुव्रत सूर्य के प्रकाश की भांति जनोपयोगी है। हमें जो बहुपयोगी मनुष्य जन्म मिला है, उसका संयम के साथ सार निकालना चाहिए। ज्ञानाशाला, सेलम ज्ञानार्थीयों ने प्रशिक्षिकाओं के साथ मिल बहुत ही सुन्दर ज्ञानवर्धक प्रस्तुति दी। जिसे पुरे सदन ने ऊँ अर्हम् की ध्वनि से सराहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजयराज कटारिया (वी आर जेवल क्राफ्ट) ने कहा कि धर्म गुरुओं की वजह से ही धर्म टिका हुआ है। इंसान का नैचर अच्छा हो, परिवार, समाज के साथ जुड़ा हुआ हो तो उसका कल्याण होता है। इससे पूर्व तेरापंथ जैन विद्यालय, साहुकारपेट में आयोजित इस कार्यक्रम में रेखा मरलेचा के साथ अणुव्रत समिति सदस्यों द्वारा मंगलाचरण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी बीना दीदी ने कहा कि परिस्थितियाँ प्रतिकूल हो सकती है लेकिन हम शांत रहेंगे, खुश रहेंगे, प्रसन्न रहेंगे तो संतुष्ट रहेंगे। हम सृष्टि पर कर्मयोगी है, परमात्मा की संतान है, हिलमिल कर रहना चाहिए। केशरसिंह राजपुरोहित ने भी विचारों की प्रस्तुति दी। अणुव्रत समिति अध्यक्ष ललित आंचलिया ने स्वागत भाषण, मंत्री स्वरूप चन्द दाँती ने आभार ज्ञापन और कार्यक्रम संयोजक भरत डी मरलेचा ने संचालन किया।

गांधी जयंती पर तमिलनाडु के राज्यपाल, मुख्यमंत्री स्टालिन, पुडुचेरी के मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/पुडुचेरी। तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सोमवार को महात्मा गांधी को उनकी 154वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने यहां एग्मोर स्थित सरकारी संग्रहालय में महात्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। स्टालिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में गांधी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने नफरत के खिलाफ संघर्ष किया और समाज में शांति सुनिश्चित की। मुख्यमंत्री ने नफरत मिटाकर सभी के भारत की स्थापना का आह्वान किया।

पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने इस अवसर पर मंत्रियों, विधायकों और स्वतंत्रता सेनानियों समेत अन्य लोगों के साथ महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान हिंदू, ईसाई और मुस्लिम धर्मों के नेताओं ने अपनी-अपनी पवित्र पुस्तकों के अंश पढ़े। भारतीय पालकलाई कूडम के दलों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किये। मुख्यमंत्री ने इसके बाद तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री के. कामराज की 48वीं पुण्य तिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

गांधी जयंती — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में गांधी जयंती के मौके पर सोमवार को टाउन हॉल के पास स्थित प्रसिद्ध खादी ग्रामोद्योग के खादी भवन में विधायक वानती श्रीनिवासन ने खादी की खरीददारी की। उनके साथ भाजपा जिला अध्यक्ष उत्तम बालाजी रामस्वामी, सचिव मोहन अक्का, सबरी गिरीश, सोमया रानी प्रदीप मौजूद थे।

सीवीआरडीई में गांधी जयंती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सीवीआरडीई में सोमवार को गांधी जयंती के मौके पर उत्कृष्ट वैज्ञानिक और निदेशक सीवीआरडीई जे. राजेश कुमार और अन्य अधिकारियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के भावचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

अपने मुख्य भाषण में, निदेशक, सीवीआरडीई ने उल्लेख किया कि गांधीजी के सत्य और अहिंसा के आदर्शों ने स्वतंत्रता संग्राम में एक नया मार्ग प्रशस्त किया और उनका ज्ञान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

'तमिलनाडु से संबंध रखने वाले इसरो के नौ वैज्ञानिकों को 25-25 लाख रु. दिए जाएंगे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सोमवार को घोषणा की कि के. सिवन और माइलस्वामी अन्नादुरई समेत तमिलनाडु के नौ प्रतिष्ठित अंतरिक्ष वैज्ञानिकों को राष्ट्र के प्रति उनकी सेवाओं के लिए 25-25 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के तमिलनाडु से संबंध रखने वाले वैज्ञानिकों को सम्मानित करने के लिए आयोजित समारोह के दौरान स्टालिन ने अपने संबोधन में कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता की खबर के साथ-साथ ऐसे अभियानों से जुड़े तमिलों के बारे में भी जानकारी हर जगह पहुंच गई है।

स्टालिन ने राज्य से संबंध रखने वाली इसरो की प्रसिद्ध हस्तियों के नाम गिनाते हुए कहा, आज राज्य में विज्ञान के क्षेत्र में बहुत सारे दिग्गज हैं। इसरो के पूर्व अध्यक्ष सिवन, चंद्रयान (1 और 2) के परियोजना निदेशक माइलस्वामी अन्नादुरई और तरल प्रणोदन प्रणाली केंद्र-इसरो के निदेशक वी. नारायणन को आज सम्मानित किया गया। इसके अलावा, सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के निदेशक ए. राजराजन, इसरो के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एम. शंकरन और चंद्रयान-3 के परियोजना निदेशक पी. वीरमुथुवेल को भी सम्मानित किया गया।

इसरो की एम. वनिता और निगार शाजी तथा इसरो-प्रणोदन परिसर के निदेशक जे. असीर पैकियाराज को भी मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। स्टालिन ने कहा कि वह दो घोषणाएं कर रहे हैं जिनमें से एक के तहत नौ वैज्ञानिकों को उनकी कड़ी मेहनत के लिए 25-25 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैं आपसे इसे स्वीकार करने और भारत को अधिक से अधिक गौरवान्वित करने की अपील करता हूं। स्टालिन ने कहा कि दूसरी घोषणा वैज्ञानिक आविष्कार करने की भावना को बढ़ावा देने के लिए नौ स्नातकोत्तर इंजीनियरिंग छात्रों को प्रसिद्ध वैज्ञानिकों के नाम पर एक छात्रवृत्ति प्रदान करना है।

उन्होंने कहा कि इसके लिए 10 करोड़ रुपये का कोष स्थापित किया जाएगा।

राज्यपाल ने गांधी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने सोमवार को राजभवन के प्रांगण में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माला, फूल चढ़ाए और श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विशेष सचिव आर प्रभुशंकर, उप सचिव योगेश उपाध्याय, एडीसी सबुतमास, एडीसी संदीप शर्मा ने पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर डॉ. बीआर अंबेडकर की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया गया और पुष्पांजलि अर्पित की गई।

इंडियन ओवरसीज बैंक स्वच्छ चेन्नई के लिए स्वच्छता ही सेवा पहल में शामिल हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत का प्रमुख बैंक इंडियन ओवरसीज बैंक ने स्वच्छता ही सेवा पहल में सक्रिय रूप से भाग लेकर स्वच्छ और स्वस्थ चेन्नई के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

इंडियन ओवरसीज बैंक के एमडी और सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव सहित बैंक के अधिकारियों का नेतृत्व किया। सीवीओ और महाप्रबंधक राजीव कुमार के प्रतिष्ठित मरीना बीच पर स्वच्छता (स्वैच्छिक सफाई अभियान) के लिए एक घंटे के श्रमदान किया।

स्वच्छता के प्रति समर्पित इस कार्यक्रम में सफाई कर्मचारी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेंकटेशन, अतिरिक्त स्वास्थ्य आयुक्त शंकरलाल कुमावत, एसबीएम नोडल अधिकारी डॉ. जी श्रीनिवासन, मुख्य अभियंता एन महेसन आदि उपस्थित थे।इंडियन ओवरसीज बैंक और विभिन्न क्षेत्रों के सम्मानित व्यक्तियों के बीच यह सहयोगात्मक प्रयास स्वच्छता ही सेवा पहल के प्रति एकीकृत प्रतिबद्धता का उदाहरण है। स्वच्छता के लिए श्रमदान में सक्रिय रूप से शामिल होकर, प्रतिभागी न केवल स्वच्छ परिवेश में योगदान देते हैं बल्कि नागरिकों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए भी प्रेरित करते हैं।

एशियाड में तमिलनाडु के खिलाड़ियों के प्रदर्शन से स्टालिन गदगद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चीन में 19वें एशियाई खेलों में तमिलनाडु के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मुक्त कंठ से सराहना की है। स्टालिन ने निशानेबाज टोंडाइमन को जीत के लिए बधाई दी। पुरुष ट्रैप स्पर्धा में टेनिस खिलाड़ी रामकुमार ने स्वर्ण पदक जीता। रामनाथन को युगल स्पर्धा में रजत पदक, स्क्वैश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा और दीपिका पल्लीकल महिला वर्ग में कांस्य पदक मिला। एक सोशल मीडिया पोस्ट में, स्टालिन ने कहा, हार्दिक बधाई हमारे तमिलनाडु के रहने वाले टोंडाइमन पी. आर. को। उन्होने पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता और भारत को गौरवान्वित किया। रामकुमार रामनाथन को पुरुष टेनिस युगल में रजत पदक जीतने के लिए बधाई। मैं हमारी अपनी जोशना चिनप्पा और दीपिका को भी बधाई देता हूं जिन्होंने महिला स्क्वैश में कांस्य पदक जीता।

कावेरी विवाद : बोम्मई ने कर्नाटक सरकार को सर्व-सम्मति से फॉर्मूला तैयार करने का सुझाव दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने सोमवार को राज्य सरकार को सुझाव दिया कि कावेरी जल विवाद का स्थायी समाधान खोजने के लिए कानून के विशेषज्ञों, कार्यकर्ताओं और विपक्षी दलों से रायशुमारी करें तथा ऐसा फॉर्मूला तैयार करें जो सबको स्वीकार्य हो।

उन्होंने कहा कि इसी फॉर्मूले को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) और उच्चतम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता बोम्मई ने तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का जल छोड़ने के खिलाफ यहां रायथा हितारक्षण समिति (किसान संगठन) के आंदोलन के दौरान अपने संबोधन में यह बात कही।

बोम्मई ने कहा, कावेरी मुद्दे के स्थायी समाधान के लिए राज्य सरकार को कानून के विशेषज्ञों के साथ बैठना चाहिए और फैसला करना चाहिए कि आपदा की स्थिति में क्या फॉर्मूला हो। उन्हें विपक्षी दलों तथा कार्यकर्ताओं की राय लेनी चाहिए और फॉर्मूला तैयार करना चाहिए। यह सर्व-सम्मति से तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को मेकेदातू जलाशय परियोजना के क्रियान्वयन के बारे में उच्चतम न्यायालय में जोरदार तरीके से दलील देनी चाहिए। बोम्मई ने कहा, 'अगर यह तत्काल नहीं भी होता तो इससे अगली पीढ़ी को फायदा होगा।' उन्होंने राज्य सरकार पर शुरुआत से ही कावेरी के मुद्दे पर कमजोर रुख रखने का आरोप लगाया।

कर्नाटक के शिवमोग्गा में पथराव की घटना में 40 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सोमवार को कहा कि शिवमोगा में पथराव की घटना के सिलसिले में 40 से अधिक उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया है और उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। सिद्दरामैया ने कहा कि किसी समुदाय के धार्मिक आयोजनों के दौरान अशांति पैदा करना और पथराव करना कानून के खिलाफ है। उनकी सरकार ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करेगी और उपद्रवियों से निपटा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'शिवमोगा में अब स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रित है। वहां, पुलिस शांति बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है।' शिवमोगा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक एस. एन. चन्नबसप्पा ने बीती शाम रागी गुड्डा इलाके में पथराव से क्षतिग्रस्त घरों का दौरा किया और आरोप लगाया कि इस घटना के पीछे कुछ बाहरी लोग हैं, जिन्हें यहां के

लोगों से समर्थन प्राप्त है।

चन्नबसप्पा ने सोमवार को शिवमोगा में संवाददाताओं से कहा, 'शिवमोग्गा उन लोगों के लिए स्वर्ग बन गया है, जो आतंक फैलाना चाहते हैं।'

बेंगलूरु में गृहमंत्री जी. परमेश्वर ने इसे मामूली पथराव की घटना बताया है और कहा कि पुलिस ने इस पर काबू पा लिया है तथा संदिग्धों को हिरासत में ले लिया गया है। गृहमंत्री ने आश्वस्त किया कि प्रशासन कोई भी अप्रिय घटना नहीं होने देगा। उन्होंने कहा कि पुलिस ने चेतावनी दी है और भीड़ को तितर-बितर कर दिया है तथा स्थिति अब शांतिपूर्ण है। नकाब पहने कुछ उपद्रवियों के पथराव करने को लेकर पूछे गए सवाल पर परमेश्वर ने कहा कि उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है और पूछताछ के बाद उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पर पथराव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'हां, क्या अब ऐसा हो रहा है? ऐसी चीजें हुई हैं और पुलिस इसे नियंत्रित करने में सक्षम है तथा करेगी भी। यह एक तनावपूर्ण क्षेत्र है और जुलूस के दौरान कुछ भी हो सकता है, इसलिए त्वरित कार्यबल (आरएएफ) सहित सुरक्षा बलों को पहले से तैनात किया गया था, जिससे हम इसे एक बड़ी घटना में बदलने से रोक सके।'

शिवमोगा के पुलिस अधीक्षक जी. के. मिथुन कुमार ने कहा कि शिवमोगा के रागी गुड्डा इलाके में स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है। इस इलाके में ईद मिलाद-उन-नबी जुलूस के दौरान तनाव एवं पथराव की कथित घटनाओं के बाद निषेधाज्ञा लागू की गई थी। उन्होंने कहा कि इस घटना में पुलिसकर्मी सहित कुछ लोग घायल हुए हैं, जबकि कुछ संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचा है। कुमार ने कहा, 'हमने घायलों और क्षतिग्रस्त संपत्तियों के मालिकों से शिकायत दर्ज करने के लिए कहा है। हमने घटना में शामिल कुछ लोगों को हिरासत में लिया है।

ईद मिलाद जुलूस के दौरान हिंसा पीड़ितों ने कहा, उन्हें आतंकित करने की कोशिश हुई

शिवमोग्गा। शिवमोग्गा शहर में ईद मिलाद जुलूस के दौरान हिंसा के पीड़ितों ने बताया कि रविवार की शाम उपद्रवियों ने उन्हें आतंकित करने की कोशिश की। कई लोगों ने बताया कि पथराव करने वाली हिंसक भीड़ ने बुजुर्गों, बच्चों और महिलाओं को निशाना बनाया। पीड़ितों ने सोमवार को मीडिया से कहा, हमलावरों को सामना करने के लिए सभी पड़ोसियों को एकजुट होना पड़ा, घरों से बाहर आना पड़ा और रक्षा के लिए लाठियों और पत्थरों के साथ खड़ा होना पड़ा। हमें लड़ते देखकर उपद्रवियों ने दूर से पथराव शुरू कर दिया।

जब शिवमोग्गा शहर में ईद मिलाद का जुलूस निकाला जा रहा तो उपद्रवियों के समूह हिंदुओं के आवासीय इलाके में घुस गए। जब जुलूस शांतिनगर के पास रागीगुड्डा इलाके में आया तो स्थिति तनावपूर्ण हो गई क्योंकि एक समूह ने हिंदुओं और पुलिस के घरों को निशाना बनाकर पथराव किया। जिस सड़क से जुलूस गुजरा, उसके दोनों ओर स्थित हिंदुओं के घरों को पथराव करने वालों ने निशाना बनाया।

पीड़ितों के अनुसार, खिड़कियों के शीशे टूट गए और घरों के बाहर खड़े वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। महिलाओं ने बताया कि उनके पति पर पत्थर से हमला किया गया और उन्होंने उनके बेटे पर भी बड़ा पत्थर फेंकन की कोशिश की। किसी तरह, वे घर के अंदर भाग गए और दरवाजा बंद कर लिया। उन्होंने बताया कि इसके बाद बदमाशों ने घर पर पथराव किया। कई लोगों ने बताया कि हिंसक भीड़ अधिकतम नुकसान पहुंचाने का लक्ष्य बना रही थी। सूत्र बताते हैं कि सावधानी बरतने और अतिरिक्त पुलिस प्लाटून तैनात करने से हिंसा पर काबू पा लिया गया और भीड़ के हमले के बावजूद पुलिस ने किसी बड़ी अप्रिय घटना को रोका।

सुब्रतो कप अंडर 14 टूर्नामेंट के लिए नए कार्यक्रमों की घोषणा

बेंगलूरु। सुब्रतो मुखर्जी स्पोर्ट्स एजुकेशन सोसाइटी ने सुब्रतो कप इंटर स्कूल इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट के 62वें संस्करण के सब जूनियर (अंडर 14) बालकों के टूर्नामेंट के लिए नए कार्यक्रमों की घोषणा की है। यहां गार्डन सिटी में ये टूर्नामेंट पहली बार खेला जाना है। यह गतिविधि मजबूरन इसलिए लायी गई है क्योंकि दुर्भाग्य से 15 टीमों को अपनी टीम में अधिक उम्र के खिलाड़ियों को मैदान में उतारने के कारण अयोग्य घोषित करना पड़ा। नए मुकाबलों में 22 टीमों को आठ समूहों में विभाजित किया गया है। रविवार एक अक्टूबर को खेले गए सभी मैचों को भी आयोजकों ने अमान्य घोषित कर दिया है।

टूर्नामेंट के नियमों और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार रविवार को एक आयु अनुमान परीक्षण आयोजित किया गया था। परीक्षण बेंगलूरु के तुमकुर रोड पर एक अस्पताल में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ द्वारा नियुक्त एक डॉक्टर द्वारा किया गया था। कुल 126 खिलाड़ियों का परीक्षण किया गया जिसमें 87 खिलाड़ी परीक्षण में असफल रहे और 34 खिलाड़ी परीक्षण में सफल रहे। पांच खिलाड़ियों के नतीजे आज घोषित किये जायेंगे। प्रत्येक टीम के कम से कम चार खिलाड़ियों का परीक्षण किया गया और अयोग्य घोषित की गई 15 टीमों में कम से कम चार खिलाड़ी अधिक उम्र के पाए गए। इस साल एसएमएसईएस ने एक निष्पक्ष टूर्नामेंट के सर्वोत्तम हित में उम्र संबंधी धोखाधड़ी को रोकने के लिए एआईएफएफ के तत्वावधान में ऐसी पहल की है।

कर्नाटक में कार पूलिंग पर कोई पाबंदी नहीं : रामलिंगा

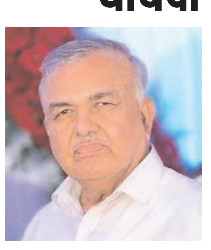

बेंगलूरु। कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने सोमवार को कहा कि राज्य में कारपूलिंग की रिपोर्टों को खारिज किया और अवैध रूप से व्हाइट बोर्ड कैब का संचालन कर रहे एग्रीगेटर से कैब सेवाओं को संचालित करने के लिए कानूनी अनुमति लेने की अपील की। रेड्डी ने यहां संवाददाताओं से कहा सभी को नियम-कायदों का पालन करना चाहिए। अगर वे चलाना चाहते हैं, तो उन्हें येलो बोर्ड (कैब) चलाने दें। फिलहाल, 'हमने इस पर प्रतिबंध नहीं लगाया है। यह झूठी खबर है। उन्होंने अनुमति नहीं ली है, इसलिए प्रतिबंध लगाने का सवाल कहां है। उन्हें अनुमति लेने दीजिए। मैं उनसे बात करूंगा। कानून के दायरे में मैं जो भी मदद कर सकता हूं, करूंगा।' हाल ही में, टैक्सी संगठनों ने चिंता व्यक्त की है कि राज्य में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजनाएं और एग्रीगेटर्स द्वारा प्रदान की जाने वाली अवैध कैब सेवाओं से उनकी दैनिक आय पर प्रभाव पड़ रहा है।

शिवमोग्गा में सांप्रदायिक तनाव, निषेधाज्ञा लागू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। कर्नाटक के शिवमोग्गा शहर में दो समुदायों के बीच तनाव पैदा हो गया है क्योंकि ईद मिलाद जुलूस पर हमले की अफवाह से गुस्साई भीड़ ने कथित तौर पर घरों और वाहनों पर पथराव किया, जिसमें कई लोग घायल हो गए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि इस घटना में लिप्त अब तक 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और कहा कि राज्य सरकार ऐसी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेगी। फिलहाल, जिला प्रशासन ने शिवमोगा के रागी गुड्डा इलाके में आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है।

इलाके में रविवार रात पथराव की घटना हुई। इसका कारण ईद मिलाद जुलूस के हिस्से के रूप में प्रदर्शित कटआउट के खिलाफ कथित विरोध प्रदर्शन था। विवादास्पद सामग्री के कारण पुलिस को कटआउट का एक हिस्सा छिपाना पड़ा, जिसके कारण एक विशेष समुदाय के सदस्यों में असंतोष फैल गया। इससे उपजे सांप्रदायिक तनाव के बीच पुलिस हरकत में आई और आरोप-प्रत्यारोप के बीच स्थिति को काबू में किया। उन्होंने लाठीचार्ज का भी सहारा लिया और कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए त्वरित कार्रवाई बल (रैपिड एक्शन फोर्स) को तैनात किया। शिवमोग्गा के पुलिस अधीक्षक जीके मिथुन कुमार और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी दोनों समुदायों को शांति बनाए रखने और तनाव कम करने की कोशिश की।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में विश्वकर्मा सेवा फाउंडेशन की ओर से रवीन्द्र कलाक्षेत्र में आयोजित कर्नाटक विराट विश्वकर्मा महोत्सव और पुरस्कार समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, सांसद तेजस्वी सूर्या, ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता डॉ. चन्द्रशेखर कंबारा, विधान परिषद सदस्य रमेश गौड़ा, विश्वकर्मा सेवा प्रतिष्ठान के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. विश्वकर्मा नादोजा, बी.एम. उमेश कुमार, की उपस्थिति में समाज में विशिष्ट सेवाओं के लिए विश्वकर्माश्री और विश्वकर्मा सेवा रत्न से लोगों को सम्मानित किया।

विधानसभा चुनाव में 'कमल' ही हमारा चेहरा है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को स्पष्ट संकेत दिया कि पार्टी राजस्थान के आगामी विधानसभा चुनाव में किसी को मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में पेश नहीं करेगी। मोदी ने 'कमल' के निशान को ही पार्टी की उम्मीद व उम्मीदवार बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने चित्तौड़गढ़ में पार्टी की एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। मोदी की ओर से यह टिप्पणी ऐसे समय में की गई है, जब पार्टी राज्य में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित तमाम नेताओं को एकसाथ लाने में जुटी है। राज्य में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

मोदी ने अपने संबोधन के आखिर में कहा, इस चुनाव में हमारा एक ही चेहरा है और वो चेहरा है कमल। इस कमल को ही भारी बहुमत से जिताना है। और हम इस कमल के नेतृत्व में, कमल के निशान से राजस्थान का भाग्य भी तेज गति से आगे बढ़ाएंगे।' उन्होंने कहा, हमारी उम्मीद कमल है, हमारा उम्मीदवार कमल है।

हम कमल खिलाएंगे, भाजपा को जिताएंगे, इसी लक्ष्य के साथ हम सबको एकजुटता के साथ आगे निकलना है। मोदी के साथ मंच पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ व पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी सहित अन्य नेता मौजूद थे। मोदी ने अपने संबोधन में किसी नेता का नाम नहीं लिया, हालांकि उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष और सांसद सीपी जोशी के बारे में कहा कि वह मेवाड़ के, राजस्थान के विकास से जुड़े हर मुद्दे को दिल्ली में जोर-शोर से उठाते हैं।

आगामी चुनाव में पार्टी की जीत का विश्वास जताते हुए मोदी ने कहा, राजस्थान ने आह्वान कर दिया है- राजस्थान को बचाएंगे, भाजपा सरकार को लाएंगे। मोदी जनसभा से पहले सांवलिया सेठ मंदिर गए और पूजा अर्चना की। वह सभा में खुली जीप में सवार होकर पहुंचे, जहां लोगों ने जोरदार नारों के साथ उनका स्वागत किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि राजस्थान का विकास भारत सरकार के लिए बहुत बड़ी प्राथमिकता है। मोदी ने चित्तौड़गढ़ में लगभग 7200 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण समारोह में यह बात कही। मोदी ने रिमोट के जरिए इन परियोजनाओं का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा, राजस्थान का विकास भारत सरकार के लिए बहुत बड़ी प्राथमिकता है। हमने राजस्थान में एक्सप्रेस वे, हाईवे व रेलवे जैसे आधुनिक बुनियादी ढांचे पर बहुत फोकस किया है। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे हो या अमृतसर जामनगर एक्सप्रेसवे, ये राजस्थान में 'लाजिस्टिक्स' से जुड़े क्षेत्र को नई शक्ति देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान वह प्रदेश है जिसके पास अतीत की विरासत भी है, वर्तमान का सामर्थ्य भी है और भविष्य की संभावनाएं भी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की यह त्रिशक्ति देश का सामर्थ्य भी बढ़ाती है।

मोदी ने कहा कि कल एक अक्टूबर को राजस्थान सहित पूरे देश ने स्वच्छता को लेकर एक बहुत बड़ा कार्यक्रम किया। मैं स्वच्छता आंदोलन को जन आंदोलन बना देने के लिए सभी देशवासियों का आभार व्यक्त करता हूं। मोदी ने कहा, पूज्य बापू स्वच्छता, स्वावलंबन और सर्वस्पर्शी विकास के बहुत आग्रही थे। बीते नौ साल में बापू के इन्हीं मूल्यों को देश ने बहुत अधिक विस्तार दिया है। उन्होंने कहा, आज 7200 करोड़ रुपए की जिन परियोजनाओं का शुभारंभ हुआ है उसमें भी इसका प्रतिबिंब है। प्रधानमंत्री ने कहा, गैस आधारित अर्थव्यवस्था का आधार मजबूत करने के लिए देश में गैस पाइपलाइन नेटवर्क बिछाने का अभूतपूर्व अभियान चल रहा है।

मोदी ने सांवलिया सेठ मंदिर में पूजा अर्चना की

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में सांवलिया सेठ मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना की। उनके साथ पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी भी थे जो चित्तौड़गढ़ से लोकसभा सांसद हैं। मोदी आरती में शामिल हुए और पूजा-अर्चना की। उन्होंने मंदिर में मौजूद पुजारियों का अभिवादन भी किया। मोदी ने बाद में 7000 करोड़ रुपए से अधिक लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री का बाद में चित्तौड़गढ़ में जनसभा को संबोधित करने का कार्यक्रम है। राजस्थान में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

राज्यों के लिए अनुकरणीय बना राजस्थान का सामाजिक सुरक्षा मॉडल : रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्रीमती शकुन्तला रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में राजस्थान आज देश के अन्य राज्यों के लिए सामाजिक सुरक्षा का अनुकरणीय मॉडल बन गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपनी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से हर वर्ग का ख्याल रखा है। उद्योग मंत्री सोमवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में जनसम्मान उत्सव एवं जन सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। कार्यक्रम में गिग वर्कर्स, राजीव गांधी युवा मित्र, लोक कलाकारों, घुमंतु समुदाय, स्वयं सहायता समूहों एवं सिविल सोसाइटी के सदस्यों ने बड़ी संख्या में शिरकत की।

कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्शों को केंद्र में रखकर राज्य सरकार ने समाज के निर्धन और जरूरतमंद तबके को संबल देने का हरसंभव प्रयास किया है। आज राजस्थान ऐसा राज्य है, जहां गरीब परिवारों के बच्चे भी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में निःशुल्क पढ़ रहे हैं।

उड़ान योजना, इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना, रोडवेज बसों के किराये में 50 फीसदी छूट जैसी योजनाओं से प्रदेश की करोड़ों महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि पहली बार किसी राज्य सरकार ने गिग वर्कर्स की पीड़ा को समझा और उनके कल्याण के लिए कानून बनाने की संवेदनशील एवं मानवीय पहल की।

आपदा प्रबंधन मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में राजस्थान सरकार गांधीवादी आदर्शों पर चलकर आम जन की बेहतरी के लिए काम कर रही है। हर महीने 100 यूनिट निःशुल्क घरेलू एवं 2000 यूनिट निःशुल्क कृषि बिजली, 500 रुपये में गैस सिलेंडर, अन्नपूर्णा फूड पैकेट जैसी योजनाओं से प्रदेश की जनता को महंगाई से राहत मिल रही है। श्रम कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष जगदीश श्रीमाली ने कहा कि श्रम कल्याण की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकार ने असंगठित क्षेत्र के कामगारों को संबल दिया है।

प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता अरुणा रॉय ने राज्य सरकार के सामाजिक सुरक्षा मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि जिस संवेदनशील एवं मानवीय सोच के साथ राजस्थान सरकार ने कल्याणकारी योजनाएं बनाई हैं, उससे अंतिम छोर पर खड़ा व्यक्ति भी लाभान्वित हो रहा है। रैमन मैग्सेसे पुरस्कार प्राप्त जाने-माने पत्रकार पी. साईंनाथ, अर्थशास्त्री एवं जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली के प्रो. प्रवीण झा तथा स्वतंत्रता सेनानी शोभाराम ने भी संबोधित किया। विधायक रफीक खान ने आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती शुभ्रा सिंह, प्रमुख शासन सचिव श्रम विकास सीताराम भाले सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गिग वर्कर्स से संबंधित पोर्टल को लॉन्च किया गया। गिग कामगारों को पंजीयन कार्ड वितरित किए गए।

इस अवसर पर गांधीवादी आदर्शों के अनुशीलन एवं प्रसार के लिए मनोज ठाकरे, सवाई सिंह, धर्मवीर कटेवा, भारत दोसी, श्रीमती आशा बोथरा एवं बांसवाड़ा की बाग्धारा संस्था को गांधी सद्भावना सम्मान से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार के तहत प्रत्येक को शॉल, प्रशस्ति पत्र, 5 लाख रुपये का चेक भेंट किया गया।

राजस्थान में सरकार नहीं गिरा पाने की पीड़ा आज तक दिल्ली भाजपा के नेताओं को : लोकेश शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विशेषाधिकारी और कांग्रेस प्रदेश सेंट्रल वॉर रूम के को-चेयरमैन लोकेश शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चित्तौड़गढ़ दौरे पर सवाल उठाए हैं। लोकेश शर्मा ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में सरकार गिराने के भाजपा के मंसूबों पर पानी फेर दिया था। मुख्यमंत्री ने 5 साल में कभी हार नहीं मानी, जबकि प्रधानमंत्री राजस्थान आकर अनर्गल बयानबाजी कर मुख्यमंत्री के हार मानने की बात कह रहे हैं। राजस्थान में कांग्रेस ने सरकार बनाई थी और सरकार गिराने के षड्यंत्रों के बावजूद राजस्थान को विकास के नए मॉडल के रूप में स्थापित कर 5 साल बेहतरीन रूप से सरकार चलाकर भी दिखा दी।

लोकेश शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की कि वे राजस्थान सरकार के ऐतिहासिक फैसलों को पूरे देश में लागू करें, जब राजस्थान सरकार सामाजिक सुरक्षा दे सकती है, तो केंद्र सरकार उसे क्यों नहीं लागू कर सकती ? लोकेश शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र में तो महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण दिया, लेकिन वो चित्तौड़गढ़ में आकर फिर कह गए कि हमारा चुनाव में एक ही चेहरा होगा और वो है कमल का फूल। महिला आरक्षण का दावा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ये बयान देकर एक बार फिर से राजस्थान में वसुंधरा राजे को साइड लाइन कर गए, जबकि प्रदेश भाजपा के ही नेता वसुंधरा राजे को राजस्थान में पार्टी की सबसे कद्दावर नेता बताते रहे हैं। सेंट्रल वॉर रूम के को-चेयरमैन लोकेश शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि वे राजस्थान में नई गारंटियों की बात तो कर गए, लेकिन उन्होंने प्रदेश के 13 जिलों से जुड़ी ईआरसीपी को लेकर एक शब्द भी नहीं कहा। लोकेश शर्मा ने सवाल करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान में नर्मदा जल की गारंटी का दावा तो कर गए, लेकिन अजमेर और जयपुर में एक जनसभा में ईआरसीपी की गारंटी भी उन्हीं के द्वारा दी गई थी, उस गारंटी का क्या हुआ, उस पर चुप्पी साध गए।

महात्मा गांधी जी की जीवनी जरूर पढ़ें युवा : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने युवाओं से आह्वान किया है कि वे महात्मा गांधी की जीवनी 'सत्य के साथ मेरे प्रयोग' जरूर पढ़ें। गहलोत ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, महात्मा गांधी की जयंती पर युवाओं को मेरा संदेश है कि गांधी जी की जीवनी 'सत्य के साथ मेरे प्रयोग' जरूर पढ़ें। यह आपके जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लेकर आएगी। गांधी जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम से इतर मीडिया से गहलोत ने कहा कि बापू की जीवनी पढ़ने से, आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा, सोच में बदलाव आएगा। वह सोच रचनात्मक, देश, और देशवासियों की सोच होगी। गांधी जयंती पर राजधानी जयपुर सहित अन्य शहरों में अनेक कार्यक्रम हुए। गहलोत ने यहां गांधी सर्किल तथा सचिवालय स्थित बापू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वह महात्मा गांधी की जयंती पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी में सर्वधर्म प्रार्थना सभा में भी शामिल हुए।

राज्य में हुए अभूतपूर्व विकास कार्यों की पूरे देश में चर्चा : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नीमकाथाना के खेतड़ी से आए प्रतिनिधिमण्डल ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात कर क्षेत्र में हुए विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधिमण्डल ने राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं तथा महंगाई राहत कैंपों के माध्यम से प्रदेश की जनता को पहुंचाई गई राहत के लिए मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया।

गहलोत ने प्रतिनिधिमण्डल को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। राज्य में विकास कार्यों में कोई कमी नहीं रखी गई है। खेतड़ी सहित पूरे प्रदेश में विकास के अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। राज्य में हुए विकास कार्यों की पूरे देश में चर्चा हो रही है। प्रदेश में मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के माध्यम से प्रदेशवासियों को 25 लाख का बीमा कवर दिया जा रहा है, जो देश में अन्यत्र कहीं नहीं है। इसी प्रकार कानून बनाकर आमजन को स्वास्थ्य का अधिकार प्रदान किया गया है। साथ ही, राज्य में दवाइयां एवं स्वास्थ्य जांचें भी पूर्णतया निःशुल्क है।

गहलोत ने कहा कि राज्य में लगभग 1 करोड़ लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जा रही है तथा न्यूनतम पेंशन राशि बढ़ाकर 1000 रूपए की गई है। प्रदेशभर में महंगाई राहत शिविर लगाकर आमजन को महंगाई से राहत दी है। राज्य में महज 500 रूपए में गैस सिलेण्डर उपलब्ध करवाया जा रहा है, जबकि केन्द्र सरकार ने सिलेण्डर पर केवल 200 रुपए कम किए हैं। केन्द्र सरकार को भी राजस्थान की तरह पूरे देश में 500 रूपए में गैस सिलेण्डर मुहैया करवाकर आमजन को राहत देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती केन्द्र सरकार ने शिक्षा, सूचना, खाद्य सुरक्षा एवं महात्मा गांधी नरेगा संबंधी कानून बनाकर लोगों को अधिकार प्रदान किए। वर्तमान केन्द्र सरकार को भी इसी तर्ज पर कानून बनाकर लोगों को सामाजिक सुरक्षा का अधिकार देना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा एवं खेतड़ी विधायक डॉ. जितेन्द्र सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

हमारे पूर्वजों और पितरों का केंद्र है राजस्थान : प्रदीप मिश्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा । कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की पितृ मोक्ष देव शिव महापुराण कथा का वाचन कोटा के दशहरा मैदान में शुरू हुआ। पांच दिवसीय कथा के श्रवण के लिए कोटा संभाग के साथ ही आसपास के क्षेत्र से श्रद्धालु उमड़ पडे। कथा के पहले दिन व्यास पीठ के पूजन के साथ ही कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि कोटा में क्वालिटी की शिक्षा मिलती है, लेकिन कुछ लोग इसे बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। छात्रों को दिल से पढ़ाई करनी चाहिए साथ ही इस बात का भी अच्छे से ध्यान रखे की असफल हो जाने पर उनके घर वाले छात्र का बेसब्री से इंतजार भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा की शिक्षा सफलता देती है और परीक्षा फल देती है। एक पिता अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देंने का हर संभव प्रयास करता है, इस बात को ध्यान में रखकर बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करनी चाहिए।

कथा के वचन के दौरान पंडित मिश्रा ने कहा कि जो लोग संतान धर्म पर अनर्गल बयानबाजी और गलत टिप्पणियां करते हैं, उन्हें बताना चाहिए कि कोटा में मथुराधीश जी विराजमान हैं, सालासर और मेहंदीपुर में बालाजी विराजमान हैं, इसी तरह से खाटू नगरी में खाटूश्याम जी विराजमान हैं। जिस प्रकार से शिक्षा का केंद्र कोटा है, उसी प्रकार से हमारे पूर्वजों और पितरों का केंद्र राजस्थान है। उन्होंने कहा कि विधर्मियों से संघर्ष के दौरान सेठ भामाशाह ने अपनी दौलत और अपना सर्वस्व महाराणा प्रताप को सौंप दिया था, तब जाकर सनातन धर्म की स्थापना हो सकी थी और ये लोग हैं कि मुंह उठाकर कुछ भी बोल देते हैं।

महात्मा गांधी का अहिंसा का संदेश लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि महात्मा गांधी का अहिंसा का संदेश लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

आदित्यनाथ ने महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर गोरखपुर के टाउन हॉल में महात्मा गांधी की प्रतिमा और शास्त्री चौक पर पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के संदेशों को याद करते हुए इसे लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत बताया और कहा कि राष्ट्रपिता के नेतृत्व में दुनिया ने अहिंसा की ताकत देखी। उन्होंने कहा कि महान नेता महात्मा गांधी की जयंती पर पूरा देश उन्हें श्रद्धांजलि दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, बापू ने दुनिया को सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया। लोकतांत्रिक सिद्धांतों का पालन करके हम दुनिया की बड़ी शक्तियों पर जीत हासिल कर सकते हैं। महात्मा गांधी ने स्वदेशी, सत्य और अहिंसा का पालन करते हुए निरंकुश ब्रिटिश शासन को देश छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया।

आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर राज्य की सभी ग्राम पंचायतों और स्थानीय निकायों में जारी 'स्वच्छांजलि कार्यक्रम' दरअसल महात्मा गांधी के नेतृत्व वाले अभियान से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता, स्वदेशी, सत्य और अहिंसा के अलावा, स्वच्छता भी महात्मा गांधी के लिए बहुत महत्वपूर्ण थी और उन्होंने समाज के लिए इन मूल्यों की वकालत की।

आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि 'जय जवान-जय किसान' का नारा देने वाले और सुरक्षा के साथ आत्मनिर्भरता का आह्वान करने वाले शास्त्री भी बापू के बहुत बड़े अनुयाई थे।

मुख्यमंत्री ने लोगों से इस अवसर पर दोनों नेताओं को देश और समाज के प्रति उनके अविस्मरणीय योगदान के लिए याद करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री गोलघर स्थित गांधी आश्रम भी पहुंचे और चरखा चलाकर बापू को याद किया। उन्होंने गांधी आश्रम में सूत कात रहे लोगों से बात भी की, औद्योगिक क्षेत्रों में खादी और ग्रामीण उत्पादों का अवलोकन किया और कुछ खादी के कपड़े भी खरीदे।

देवरिया में एक ही परिवार के पांच सदस्यों समेत छह की हत्या: योगी का सख्त कार्रवाई का निर्देश

देवरिया (उप्र)/भाषा। देवरिया जिले के रूद्रपुर क्षेत्र में जमीन के विवाद को लेकर सोमवार सुबह दो पक्षों के बीच हुए संघर्ष में एक ही परिवार के पांच सदस्यों समेत छह लोगों की हत्या कर दी गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुख जताते हुए दोषियों को किसी भी कीमत पर ना बख्शने के सख्त निर्देश दिए हैं। वहीं, विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर सरकार को घेरा है।

पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने बताया कि रुद्रपुर थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव में आज सुबह करीब छह बजे जमीन के विवाद को लेकर सत्य प्रकाश दुबे (54), उसकी पत्नी किरण (52), बेटी सलोनी (18) और नंदिनी (10) तथा बेटे गांधी (15) की हत्या कर दी गई। इससे पहले आज ही सुबह जिला पंचायत सदस्य प्रेम यादव (50) की सत्य प्रकाश दुबे के पक्ष के लोगों ने पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। उसके बाद हुए संघर्ष में दुबे और उसके परिवार के 4 सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यादव के समर्थकों ने दुबे के घर पर हमला कर दिया, जिसमें दुबे सहित पांच लोग मारे गए। देवरिया के जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने बताया, हमें सुबह सूचना मिली कि फतेहपुर गांव के लेहड़ा टोले में एक वारदात हुई है।

राफेल समेत 100 से अधिक विमान संगम क्षेत्र में अपनी ताकत दिखाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। आगामी आठ अक्टूबर को यहां संगम क्षेत्र में होने जा रहे एयर शो के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सोमवार को साइकिल रैली लेकर संगम पहुंचे एयर मार्शल (मुख्यालय, मध्य वायु कमान) आर जी के कपूर ने कहा कि यह एयर शो अद्भुत होगा, क्योंकि इसमें राफेल समेत 100 से अधिक विमान अपनी ताकत दिखाएंगे।

एयर मार्शल कपूर ने बताया, इस वर्ष वायुसेना अपनी स्थापना के 91वें वर्ष पूरी कर रही है, जिसके उपलक्ष्य में यहां संगम क्षेत्र में आठ अक्टूबर को एयर शो आयोजित किया जा रहा है। पहले हमारा एयर शो हिंडन (गाजियाबाद) में होता था, जहां दिल्ली और आसपास के क्षेत्र के लोग ही इसे देख पाते थे। लेकिन इस बार हमने इसे प्रयागराज में आयोजित करने की योजना बनाई। संगम क्षेत्र काफी विशाल होने से यहां बहुत बड़ी तादाद में लोग एयर शो का आनंद उठा सकेंगे। एयर शो के लिए प्रयागराज को चुने जाने की वजह पूछे जाने पर एयर मार्शल कपूर ने कहा, देश में पहली बार किसी विमान ने 1911 में प्रयागराज के नैनी से उड़ान भरी थी। दूसरा, प्रयागराज भारत का केंद्र है और भारत का समय प्रयागराज से लिया जाता है। इसके अलावा, मध्य वायु कमान का मुख्यालय प्रयागराज में है और संगम प्रयागराज में है। इन्हीं कारणों से एयर शो के लिए प्रयागराज को चुना गया। यह (प्रयागराज का संगम क्षेत्र) किसी भी एयर शो के लिए आदर्श स्थल है, जहां नदी के दोनों ओर लोग एयर शो देख सकते हैं।

त्रिपुराः पद्मश्री से सम्मानित आदिवासी लोक कलाकार सत्यराम रियांग का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। आदिवासी लोक संगीत एवं नृत्य क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए पद्मश्री से सम्मानित सत्यराम रियांग का रविवार को दक्षिण त्रिपुरा जिले में संतिरबाजार में अपने घर में निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। उनके परिवार में एक बेटा एवं चार बेटियां हैं।

दक्षिण त्रिपुरा जिले के सुदूर गांव दशमी रियांग पाड़ा के निवासी रियांग को 2021 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। उन्होंने हाजागिरी नृत्य को बढ़ावा देने और आदिवासी लोक संस्कृति एवं परंपरा को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

मुख्यमंत्री माणिक साहा ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, सत्यराम रियांग के निधन से मैं स्तब्ध हूं। उन्होंने आदिवासी लोक संस्कृति, खासकर हाजागिरी नृत्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री प्रतिमा भौमिक ने भी दिग्गज लोक कलाकार सत्यराम रियांग के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने फेसबुक पर एक पोस्ट में लिखा, मैं आदिवासी संगीत के लिए पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित एक महान व्यक्ति सत्यराम रियांग के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करती हूं। उनकी आत्मा को शांति मिले।

बिहार में जाति आधारित गणना के आंकड़े जारी, ओबीसी-ईबीसी कुल आबादी का लगभग दो-तिहाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने सोमवार को बहुप्रतीक्षित जाति आधारित गणना के आंकड़े जारी किए, जिसके अनुसार राज्य की कुल आबादी में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) की हिस्सेदारी 63 प्रतिशत है। बिहार के विकास आयुक्त विवेक सिंह द्वारा यहां जारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य की कुल जनसंख्या 13.07 करोड़ से कुछ अधिक है, जिसमें से ईबीसी (36 प्रतिशत) सबसे बड़ा सामाजिक वर्ग है, इसके बाद ओबीसी (27.13 प्रतिशत) है।

सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि ओबीसी समूह में शामिल यादव समुदाय, जनसंख्या के लिहाज से सबसे बड़ा सुमदाय है, जो प्रदेश की कुल आबादी का 14.27 प्रतिशत है। सर्वेक्षण के अनुसार, अनुसूचित जाति राज्य की कुल आबादी का 19.65 प्रतिशत है जबकि अनुसूचित जनजाति की आबादी लगभग 22 लाख (1.68 प्रतिशत) है।

''अनारक्षित श्रेणी से संबंधित लोग प्रदेश की कुल आबादी का 15.52 प्रतिशत हैं, जो 1990 के दशक की मंडल लहर तक राजनीति पर हावी रहने वाली उच्च जातियों को दर्शाते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, राज्य में हिंदू समुदाय कुल आबादी का 81.99 प्रतिशत है जबकि मुस्लिम समुदाय 17.70 प्रतिशत है। ईसाई, सिख, जैन और अन्य धर्मों का पालन करने वालों के साथ-साथ किसी धर्म को न मानने वालों की भी बहुत कम उपस्थिति है, जो कुल आबादी का एक प्रतिशत से भी कम है। बिहार सरकार द्वारा जाति आधारित गणना के आंकड़े जारी किए जाने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक्स पर कहा, बिहार में कराई गई जाति आधारित गणना के आंकड़े आज गांधी जयंती के शुभ अवसर पर प्रकाशित कर दिए गए हैं। जाति आधारित गणना के कार्य में लगी पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने कहा, जाति आधारित गणना के लिए सर्वसम्मति से विधानमंडल में प्रस्ताव पारित किया गया था। बिहार विधानसभा के सभी नौ दलों की सहमति से निर्णय लिया गया था कि राज्य सरकार अपने संसाधनों से जाति आधारित गणना कराएगी।

बंगाल विधानसभा परिसर में भाजपा विधायकों ने विरोध प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) द्वारा नई दिल्ली में केंद्र के खिलाफ विरोध कार्यक्रमों के जवाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने सोमवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा में विरोध प्रदर्शन किया। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने कुशासन और भ्रष्टाचार समेत विभिन्न मुद्दों पर राज्य सरकार के खिलाफ धरना दिया और नारे लगाए।

अधिकारी ने कहा, तृणमूल सरकार न केवल अपने प्रशासनिक कर्तव्यों में विफल रही है, बल्कि भ्रष्टाचार में भी लिप्त है। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती हो या मनरेगा निधि में इस्तेमाल में भ्रष्टाचार, सभी में तृणमूल के नेता लिप्त हैं। महात्मा गांधी के जन्मदिन पर, हमने तृणमूल के इस भ्रष्टाचार के खिलाफ विरोध करने का फैसला लिया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए तृणमूल ने कहा कि भाजपा राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी के बहुप्रतीक्षित विरोध कार्यक्रम से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। तृणमूल के प्रवक्ता ने कहा, ट्रेन सेवा देने से इनकार करके, अभिषेक बनर्जी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) समन जारी करके और उड़ानें रद्द करके हमें रोकने की कोशिश की गई। जब सब कुछ विफल हो गया, तो उन्होंने निराधार आरोपों के आधार पर ध्यान भटकाने वाली रणनीति का सहारा लिया है।

बंगाल में केंद्र की योजनाओं में भ्रष्टाचार के कारण रोकी गई धनराशि : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कोष जारी करने की मांग को लेकर दिल्ली में प्रदर्शन करने पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि बंगाल में केंद्रीय कोष के इस्तेमाल में भ्रष्टाचार के बारे में कई बार याद दिलाने के बावजूद सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में पार्टी के नेताओं ने यहां राजघाट स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि के पास धरना दिया।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री और भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने बंगाल में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत काम के कार्यान्वयन को लेकर केंद्र की चिंताओं को सूचीबद्ध करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली बंगाल सरकार पर अनियमितताओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, क्या यह सच नहीं है कि ग्रामीण विकास मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल सरकार को बार-बार भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की याद दिलाई है लेकिन वह कभी संतोषजनक जवाब नहीं दे सकी? क्या यह सच नहीं है कि राज्य भ्रष्ट अधिकारियों और मंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई करने में हमेशा विफल रहा है।

भाजपा की बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, केंद्रीय मंत्री सुभाष सरकार और पार्टी सांसद लॉकेट चटर्जी ने एक संवाददाता सम्मेलन कर केंद्र सरकार का पक्ष रखा।

मजूमदार ने अभिषेक बनर्जी के इस आरोप का जिक्र किया कि भाजपा राष्ट्रीय राजधानी में उनकी पार्टी के विरोध प्रदर्शन को बाधित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि मोदी के पास इतना समय नहीं है कि वह तृणमूल कांग्रेस के उत्तराधिकारी जैसे तुच्छ नेता को निशाना बनाएं।

जाति आधारित गणना में बदली हुई सामाजिक हकीकत झलकनी चाहिए : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नीतीश कुमार सरकार द्वारा कराए गए जाति आधारित गणना पर असंतोष व्यक्त करते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि इसमें पिछले कुछ वर्षों में बदली हुई सामाजिक और आर्थिक वास्तविकताओं को नहीं दर्शाया गया है।

बिहार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी ने जाति आधारित गणना कराए जाने को अपना समर्थन दिया था। उन्होंने कहा कि इस कवायद के आज सार्वजनिक किए गए निष्कर्षों का अध्ययन करने के बाद ही उनकी पार्टी टिप्पणी करेगी।

विभिन्न समुदाय की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को लेकर आंकड़े जारी नहीं करने के बारे में पूछे जाने पर चौधरी ने कहा, विभिन्न समुदायों की गणना के साथ-साथ यह भी सर्वेक्षण कराया जाना चाहिए था कि किसका उत्थान हुआ और किसका नहीं, इसको भी जारी किया जाना चाहिए था।

बिहार सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, राज्य की कुल आबादी में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) की हिस्सेदारी 63 फीसदी से ज्यादा है। ऐसा माना जा रहा है कि इस सर्वेक्षण को कराए जाने से राज्य में सत्तारूढ़ महागठबंधन को राजनीतिक लाभ मिलने की संभावना है, क्योंकि वे ओबीसी और ईबीसी के हितों की रक्षा करने का दावा करता है।

बिहार की जाति आधारित गणना के बाद अब जल्द राष्ट्रीय स्तर पर जाति जनगणना कराए केंद्र : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बिहार की जाति आधारित गणना के आंकड़े जारी होने का स्वागत करते हुए सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार को राष्ट्रीय स्तर पर जल्द से जल्द इस तरह की गणना करानी चाहिए।पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि सामाजिक सशक्तिकरण कार्यक्रमों को मजबूती प्रदान करने और सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने के लिए ऐसी जनगणना आवश्यक हो गई है।

उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, बिहार सरकार ने राज्य में कराए गए जाति आधारित सर्वे के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस पहल का स्वागत करते हुए और कांग्रेस सरकारों द्वारा कर्नाटक जैसे अन्य राज्यों में इसी तरह के पहले के सर्वेक्षणों को याद करते हुए, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अपनी मांग दोहराती है कि केंद्र सरकार जल्द से जल्द राष्ट्रीय जाति जनगणना कराए। रमेश ने कहा, संप्रग-2 सरकार ने वास्तव में इस जनगणना के कार्य को पूरा कर लिया था, लेकिन इसके नतीजे मोदी सरकार ने जारी नहीं किए। सामाजिक सशक्तिकरण कार्यक्रमों को मज़बूती प्रदान करने और सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने के लिए ऐसी जनगणना आवश्यक हो गई है।

कुछ लोगों को पैसे देकर अपने नाम से लेख लिखवाते हैं राहुल गांधी : विजयवर्गीय

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी कुछ लोगों को पैसे देकर उनसे अपने नाम से लेख लिखवाते हैं। विजयवर्गीय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सत्यम शिवम सुंदरम के शीर्षक से हिंदू धर्म के बारे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साझा किए गए लेख को लेकर प्रतिक्रिया मांगे जाने पर यह आरोप लगाया है।

भाजपा महासचिव ने इंदौर में संवाददाताओं से बात करते हुए आरोप लगाया, राहुल गांधी ने ऐसे लोग रखे हुए हैं जो भुगतान लेकर उनके लिए लिखते हैं। वह कुछ भी लिखते रहते हैं।

अक्टूबर में दुर्गापूजा से पहले कोलकाता आएंगे रोनाल्डिन्हो

कोलकाता/भाषा। ब्राजील के विश्व कप विजेता फुटबॉलर रोनाल्डिन्हो दुर्गापूजा से पहले कोलकाता आएंगे। तीन बार के बलोन डिओर विजेता रोनाल्डिन्हो से पहले पेले, डिएगो माराडोना और लियोनेल मेस्सी भारत आ चुके हैं। रोनाल्डिन्हो ने आधिकारिक फेसबुक पेज पर लिखा, मैं इस साल अक्टूबर के बीच में पहली बार कोलकाता आऊंगा। कोलकाता में ब्राजील के बड़े प्रशंसक हैं और मैं उनसे मिलने को बेकरार हूं। वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी मिलकर उन्हें जर्सी भेंट करेंगे। उन्होंने कहा कि वह बंगाल के दादा (सौरव गांगुली) से क्रिकेट भी सीखना चाहेंगे। उनके यहां 16 अक्टूबर को आने की संभावना है और दो दिन रूककर वह ढाका जाएंगे। यहां चैरिटी मैच खेलने के अलावा वह फुटबॉल अकादमी के प्रशिक्षुओं से भी बात करेंगे।

धोनी से बहुत कुछ सीखा लेकिन कप्तानी का मेरा अपना तरीका : गायकवाड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ/भाषा। उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी से काफी कुछ सीखा है लेकिन पहली बार एशियाई खेलों की क्रिकेट स्पर्धा में भारतीय पुरुष टीम की कप्तानी कर रहे रूतुराज गायकवाड़ ने कहा कि उनकी कप्तानी की अपनी शैली है।

महिला टीम के बाद अब भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम भी स्वर्ण पदक की दावेदार होगी। भारतीय टीम मंगलवार को क्वार्टर फाइनल खेलेगी। इंडियन प्रीमियर लीग में धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने वाले गायकवाड़ ने कहा, मैने धोनी से बहुत कुछ सीखा है लेकिन हर व्यक्ति की अपनी शैली होती है। उनकी शैली अलग है, उनकी शख्सियत अलग है और मेरी अलग है। उन्होंने कहा, मैं उनके जैसा कुछ करने की बजाय अपनी शैली से खेलूंगा। हालात का सामना करने और खिलाड़ियों के सही उपयोग को लेकर उनसे मिली सीख को मैं जरूर अमल में लाऊंगा। भारतीय कोच वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि चीन में क्रिकेट खेलना अनोखा अनुभव होगा। उन्होंने कहा, यहां बहुत अलग है। हमने कभी सोचा भी नीं था कि चीन में क्रिकेट खेलेंगे। पूरी टीम के लिए यह शानदार मौका है। एशियाई खेलों में भाग लेना गर्व की बात है। गायकवाड़ ने कहा, क्रिकेट में विश्व कप है, आईपीएल है और घरेलू टूर्नामेंट है। हम उस तरह के हालात और माहौल के आदी है लेकिन यहां खेलगांव में रहना, दूसरे खिलाड़ियों को और उनके संघर्षों को जानना अलग अनुभव है। उन्हें दो तीन साल या चार साल में खेलने का मौका मिलता है।

हमारी लड़ाई मादक पदार्थों के खिलाफ है, किसी पार्टी या नेता से नहीं : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटियाला/भाषा। कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरा को 2015 के मादक पदार्थ मामले में गिरफ्तार किए जाने के बीच कांग्रेस के निशाने पर आए आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि वे किसी दल या नेता के खिलाफ नहीं, बल्कि मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। केजरीवाल एक दिन के पटियाला दौरे पर थे। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में आप का सहयोग करने को कहा।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, तीन-चार दिन पहले मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपों का सामना करने वाले एक प्रमुख व्यक्ति को पकड़ा गया। सभी दल भगवंत मान को निशाना बना रहे हैं और प्रश्न कर रहे हैं कि उन्होंने ऐसा क्यों किया। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या मादक पदार्थों के तस्करों को पकड़ा जाना चाहिए अथवा नहीं। मादक पदार्थों के तस्करों को सलाखों के पीछे डाला जाना चाहिए अथवा नहीं? उन्होंने सरकारी अस्पतालों के जीर्णोद्धार के लिए अभियान शुरू करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, मैं इन सभी दलों को बताना चाहता हूं कि हमारी किसी पार्टी से कोई लड़ाई नहीं है। हमारी लड़ाई किसी नेता से नहीं है। हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। हम मादक पदार्थों के खिलाफ हैं।

सुविचार

अगर लोग आपके सपनो पर नहीं हस रहे हैं, तो समझ जाना आपके सपने बहुत छोटे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बांग्लादेशी हिंदुओं की कौन सुनेगा?

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं और उनके मंदिरों पर हमलों की बढ़ती संख्या अत्यंत चिंता का विषय है। यूं तो दुर्गा पूजा भारत समेत दुनिया के उन सभी इलाकों में होती है, जहां हिंदू रहते हैं, लेकिन समग्र बंगाल में बहुत भव्य स्तर पर आयोजन किए जाते हैं। चूंकि बांग्लादेश की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि इससे अलग नहीं है, इसलिए वहां भी हिंदू इसे बहुत प्रेम व उत्साह से मनाते हैं। इस बार उनके मन में कई आशंकाएं हैं। पिछले कुछ वर्षों से नवरात्र के दौरान ऐसी अप्रिय घटनाएं हो रही हैं, जिससे मन में कई सवाल पैदा होना स्वाभाविक है। बांग्लादेश में जनवरी 2024 में आम चुनाव होने हैं, इसलिए कुछ कट्टरपंथी संगठन वोटों का ध्रुवीकरण करने के लिए उपद्रव से बाज़ नहीं आ रहे हैं। इस पड़ोसी देश से हिंदू मंदिरों पर हमलों के जो आंकड़े आ रहे हैं, वे हैरान करने वाले हैं। प्राय: भारत में उन पर ज्यादा चर्चा भी नहीं होती। इस साल अब तक लगभग ढाई दर्जन मंदिरों पर हमले हो चुके हैं। यह आंकड़ा उससे पिछले साल मंदिरों पर हुए हमलों के आंकड़े से दुगुना है। अगर सितंबर की ही बात करें तो कम से कम तीन मंदिर कट्टरपंथियों का निशाना बन चुके हैं। लगता है कि बांग्लादेश में सरकार और स्थानीय प्रशासन को हिंदू हितों की कोई चिंता नहीं है। कट्टरपंथियों और उपद्रवियों में कानून का कोई खौफ नहीं है। उन्हें खुली छूट मिली हुई है। हर साल दुर्गा पूजा से पहले हिंदू बहुत उत्साह से तैयारियों में जुट जाते थे। इस बार भी तैयारियां हो रही हैं, लेकिन उसके साथ एक अजीब तरह की बेचैनी छाई हुई है। हिंदू संगठनों को आशंका है कि कट्टरपंथी जमातें रंग में भंग डाल सकती हैं। वर्ष 2021 की भयावह यादें ताजा हो रही हैं, जब कुछ शरारती तत्त्वों ने सांप्रदायिक हिंसा भड़का दी थी, जिसके बाद कई पांडालों को निशाना बनाया गया था। हिंसा पीड़ित उन हिंदुओं ने मदद के लिए पुलिस को फोन किया, लेकिन निराशा ही हाथ लगी। सोशल मीडिया पर ऐसी कई ऑडियो रिकॉर्डिंग वायरल हुई थीं, जिनमें यह तक दावा किया गया कि पुलिसकर्मियों ने पीड़ितों को ही यह सलाह दे दी थी कि वे धर्मांतरण कर लें और चैन से रहें!

वास्तव में सरकार चाहे शेख हसीना की हो या खालिदा जिया की, अल्पसंख्यकों की परेशानियां कम नहीं हुईं। हालांकि शेख हसीना का रुख अल्पसंख्यकों के प्रति कुछ नरम रहता है, लेकिन वोटबैंक के सामने उनकी पार्टी को झुकना ही पड़ता है। इस साल फरवरी में मंदिरों पर हमलों की कई घटनाएं हुईं। हैरानी की बात यह है कि एक ही रात को लगभग 14 मंदिरों को निशाना बनाया गया था। उसके बाद पुलिस ने कितनी सक्रियता दिखाई, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वह अब तक खाली हाथ बैठी है। एक कांस्टेबल तक को यह जानकारी होती है कि उसके इलाके में कौन-कौन उपद्रवी तत्त्व हैं। उसके बावजूद पूरा विभाग मौन साधे बैठा हुआ है। आगामी दुर्गा पूजा में हिंसा को लेकर आशंका बलवती होने का एक कारण यह भी है कि हाल में एक प्रसिद्ध मूर्तिकार ने मां दुर्गा की कई मूर्तियां बनाई थीं। दूसरे दिन वे सभी खंडित पाई गईं। उन्हें स्थानीय उपद्रवियों ने खंडित कर दिया था। उससे दो दिन पहले दो दुर्गा मंदिरों में तोड़फोड़ मचाई गई थी। ऐसे में अल्पसंख्यक हिंदुओं को आशंका है कि दुर्गा पूजा के दौरान शरारती तत्त्व ऐसी कोई हरकत कर सकते हैं, जिससे माहौल बिगड़ सकता है। आश्चर्य की बात है कि उनकी आवाज न तो संयुक्त राष्ट्र संघ तक जाती है और न ही मानवाधिकार के चैंपियन उन संगठनों तक, जो भारत में छोटी-सी घटना को लेकर भी सड़कों पर उतरने का आह्वान कर देते हैं, असहिष्णुता का नारा उछालते हैं! शायद बांग्लादेशी हिंदुओं के लिए आवाज उठाने से उन्हें न कोई तमगा मिलेगा और न कोई वाहवाही, इसलिए खामोश रहना ही ठीक समझते हैं। अगर वे चाहें तो बांग्लादेश सरकार पर दबाव डाल सकते हैं। वहां अल्पसंख्यकों के जीवन को इतना सुरक्षित बना सकते हैं कि वे सुख-चैन से पूजा कर सकें। बांग्लादेश कोई इतनी बड़ी ताकत नहीं है कि उनकी उपेक्षा कर दे। अगर उसे आर्थिक नुकसान और विभिन्न प्रतिबंध दिखाई देंगे तो उसकी सरकार मजबूरन उपद्रवियों पर कार्रवाई करेगी। कम से कम भारतीय मीडिया को तो बांग्लादेशी हिंदुओं की आवाज जरूर उठानी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

आज मैं राजस्थान के हर गरीब, दलित, पिछड़े और आदिवासी परिवारों को एक और गारंटी दे रहा हूं। मोदी हर गरीब को पक्की छत देगा। अब तक 4 करोड़ घर बन चुके हैं और बाकी पर काम चालू है। आपका पक्का घर बनेगा, ये मोदी की गारंटी है।

-नरेन्द्र मोदी

शास्त्री जी ने साधारण जीवन शैली अपनाई व संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग पर विश्वास जताया। शास्त्री जी के विचारों को अपनाना, खुशहाल भविष्य का प्रवेश द्वार है। संविधान सदन में मध्य प्रदेश की बेटी जाह्नवी ने लाल बहादुर शास्त्री जी के व्यक्तित्व को शब्दों में बेहद सुंदरता से पिरोया।

-ओम बिरला

वर्तमान के वास्तविक जननायक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी 5 अक्टूबर को जोधपुर में देवतुल्य जनता से आत्मीय संवाद करेंगे। आज जोधपुर में आयोजन स्थल का अवलोकन किया। मारवाड़ में नजर आ रहा उत्साह बता रहा है कि यह सभा परिवर्तन का नया अध्याय लिखेगी।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

नि:स्वार्थ ज्ञान

ऋषि संदीपनी श्रीकृष्ण और दरिद्र परिवार में जन्मे सुदामा को एक साथ बिठाकर विभिन्न शास्त्रों की शिक्षा देते थे। श्रीकृष्ण गुरुदेव के यज्ञ-हवन के लिए स्वयं जंगल में जाकर लकड़ियां काटकर लाया करते थे। श्रीकृष्ण रात के समय गुरुदेव के चरण दबाया करते और सवेरे उठते ही उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया करते। शिक्षा पूरी होने के बाद श्रीकृष्ण ब्रज लौटने लगे, तो ऋषि के चरणों में बैठते हुए हाथ जोड़कर बोले, 'गुरुदेव, मैं दक्षिणा के रूप में आपको कुछ भेंट करना चाहता हूं।' ऋषि संदीपनी ने मुस्कुराकर सिर पर हाथ रखते हुए कहा, 'वत्स कृष्ण, ज्ञान कुछ बदले में लेने के लिए नहीं दिया जाता। सच्चा गुरु वही है, जो शिष्य को शिक्षा के साथ संस्कार देता है। मैं दक्षिणा के रूप में यही चाहता हूं कि तुम औरों को भी संस्कारित करते रहो।' उन्होंने कहा, 'वत्स, मैं यही कामना करता हूं कि तुम जब धर्म-रक्षार्थ किसी का मार्गदर्शन करो, तो उसके बदले में कुछ स्वीकार न करना।' श्रीकृष्ण ने आगे चलकर अर्जुन को न केवल ज्ञान दिया, अपितु उनके सारथी भी बने।

सामयिक

भाजपा को तेलंगाना चुनाव से इतनी उम्मीदें क्यों?

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

भाजपा पार्टी इस बार तेलंगाना में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की सरकार को पलटने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती। खासकर, कर्नाटक के हाथ से निकल जाने के बाद सत्ता के नजरिए से भाजपा का दक्षिणी राज्यों से सफाया हो गया, इसलिए वो तेलंगाना के जरिए देश के दक्षिणी हिस्से में सत्ता की अलख जगाए रखने को आतुर है।

तेलंगाना में इस साल होने वाले चुनाव से पहले सियासी पारा गर्म हो चुका है। सभी राजनीतिक दल एक-दूसरे को घेरने में लगे हैं। जैसे कि एक मशहूर कहावत है- राजनीति में एक सप्ताह का समय बहुत लंबा होता है।' इसका इस्तेमाल राजनीतिक जानकार अक्सर करते हैं। इसका मतलब है कि कम समय में राजनीतिक क्षेत्र में तेजी से कुछ ऐसे बदलाव हो जाते हैं, जिसके बारे में किसी ने कोई कल्पना भी न की हो। तेलंगाना की राजनीति कुछ इसी तरह से करवट ले रही है। यहाँ राजनीतिक पार्टियों की स्थितियों में पिछली बार के मुकाबले इस बार तेजी से बदलाव आया है।

भाजपा ने साल 2018 के विधानसभा चुनाव में करारी हार (119 सीटों पर चुनाव लड़कर महज एक सीट पर जीत) के बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में अच्छी सफलता दर्ज की थी। 2019 में भाजपा ने 17 में से 4 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की थी। इसके बाद भाजपा ने नवनिर्वाचित सांसद बंदी संजय कुमार को राज्य इकाई का अध्यक्ष बनाया, जो कि संघ में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। भाजपा ने 2020 और 2021 में दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। 2022 में पार्टी को हार झेलना पड़ा। इस बीच, भाजपा को साल 2020 के गक्चउ चुनाव में 4 के मुकाबले 49 सीटों पर जीत मिली, तो 2023 में एमएलसी चुनाव (शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र) में भी जीत हासिल की।

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय कुमार ने पूरे राज्य में पदयात्रा शुरू की, जिसका उल्लेख खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया और बाकी राज्य इकाइयों से भी इसी इस तरह की पहल के लिए कहा। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति के कारण एमआईएम-बीआरएस सरकार को तेलंगाना मुक्ति दिवस मनाने के लिए भी मजबूर होना पड़ा। गौरतलब है कि तेलंगाना में भाजपा का उदय कांग्रेस पार्टी के पतन के साथ हुआ। साल 2018 में कॉन्ग्रेस पार्टी के 18 विधायकों ने जीत दर्ज की थी, जिसमें से 12 अगले साल 2019 में इठड में शामिल हो गए। हालाँकि, कॉन्ग्रेस ने लोकसभा चुनाव 2019 में तीन सीटें जीती थी, लेकिन उसके बाद से कॉन्ग्रेस को लगातार हार ही मिली है। मुनुगोडे सीट पर उपचुनाव में कॉन्ग्रेस की जमानत जब्त हो गई, जबकि वो सीट पहले कांग्रेस की ही थी।

भाजपा ने तेलंगाना में कमल खिलाने का जिम्मा राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल को सौंपी गई है। यूपी में भाजपा को जिताने का ट्रैक रिकार्ड को देखते हुए बंसल को तेलंगाना का प्रभार सौंपा गया है, जिसके बाद उन्होंने बूथ स्तर पर तैयारियां तेज कर दी हैं। बूथ कमेटियों का गठन करने के साथ ही भाजपा हाईकमान ने प्रदेश नेतृत्व को आपसी मनमुटाव दूर करने के निर्देश भी दिए हैं। पार्टी के दिग्गजों को निर्देश दिया दिया गया है कि वे केंद्र सरकार की उपलब्धियों को लेकर घर-घर जाएं और लोगों को बताएं।

विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा जिस आक्रामक रणनीति के साथ तैयारियों में जुटी है, कई सवाल भी उठ रहे हैं। सवाल ये भी है कि पांच साल पहले यानी 2018 के विधानसभा चुनाव में जिस राज्य में पार्टी को सात फीसदी से भी कम वोट और एक सीट पर जीत मिली हो, उस राज्य में भाजपा को ऐसा क्या नजर आ गया कि पार्टी ने पूरी ताकत झोंक रखी है? दरअसल, भाजपा को तेलंगाना में नजर आ रही उम्मीदों की वजह लोकसभा, स्थानीय और निकाय चुनाव के नतीजे ही हैं। इस बात से नकार नहीं किया जा सकता कि स्थानीय निकाय, विधानसभा और लोकसभा चुनाव के नतीजों की तुलना नहीं की जा सकती लेकिन ये परिणाम सियासी ग्राफ का आकलन करने के लिए मुफीद भी हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान तेलंगाना में भाजपा के वोट शेयर में जबरदस्त उछाल नजर आया। 2018 के विधानसभा चुनाव में सात फीसदी से भी कम वोट पाने वाली पार्टी का वोट शेयर लोकसभा चुनाव में बढ़कर 20 प्रतिशत हो गया। भाजपा ने 21 विधानसभा क्षेत्रों में शानदार बढ़त बनाई। कुल 119 विधानसभा सीटों में से 22 विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी दूसरे स्थान पर रही। छह महीने पहले यानी दिसंबर 2018 में हुए विधानसभा चुनावों से इसकी तुलना करें तो पार्टी के वोट शेयर में एक साल के भीतर 13 फीसदी का जबरदस्त उछाल आया।

इतना ही नहीं, भाजपा को टीआरएस (जिसे अब बीआरएस के नाम से जाना जाता है) की तुलना में ज्यादा फायदा हुआ। 2018 के विधानसभा चुनाव में टीआरएस ने 46.87 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 88 सीटें जीती थीं और लोकसभा चुनाव के दौरान वोट शेयर घटकर 41.71 फीसदी रह गया। भाजपा छोटे-छोटे दलों और निर्दलीयों के पाले में जाने वाले वोट शेयर में सेंध लगाने में सफल रही थी। अन्य के वोट शेयर में भी लगभग नौ प्रतिशत की गिरावट देखी गई। वहीं कांग्रेस इन चुनावों में दूसरे स्थान पर रही और उसने 29.27 फीसदी वोट हासिल किया। वोट हासिल करने में भाजपा तीसरे स्थान पर रही। पार्टी को 19.45 फ़ीसदी वोट मिले हैं। राज्य में भाजपा को एक नया जीवनदान दिया है। प्रदेश के नेता इतने उत्साहित हैं कि उन्होंने सत्ताधारी पार्टी टीआरएस के विकल्प में खुद को देखना शुरू कर दिया है। तेलंगाना में टीआरसी की सबसे चौंकाने वाली हार केसीआर की बेटी के। कविता की थी, जो भाजपा के लिए उम्मीद जगाने का काम किया। कविता निजामाबाद संसदीय सीट से चुनावी मैदान में थीं, जिन्हें भाजपा के धर्मपुरी अरविंद ने मात दी थी। एसटी समुदाय के लिए आरक्षित आदिलाबाद सीट पर भाजपा के सोयम बापू राव जीते हैं। करीमनगर से संघ के बड़े नेता समझे जाने वाले बांदी संजय कुमार ने जीत दर्ज की थी। इन चार सीटों से भाजपा के लिए उम्मीद जगाने का काम किया है।

बहरहाल, भाजपा मध्यप्रदेश , राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में भी वहां से चुनकर दिल्ली पहुंचे नेताओं को वापस उनके प्रदेशों में भेज सकती है। तेलंगाना से भाजपा के चार सांसद हैं। पार्टी ने उनमें से एक जी। किशन रेड्डी को केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना प्रदेश का अध्यक्ष बना रखा है। भाजपा के तेलंगाना से तीन अन्य सांसद संजय बांदी, अरविंद धर्मपुरिया और सोयम बाबू राव हैं। संभव है कि सभी चारों सांसदों को भाजपा विधानसभा चुनाव लड़वा सकती है ।

प्रधानमंत्री मोदी भी तेलंगाना को घेरने में केंद्र की ओर से कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती । कल ही रविवार को महबूबनगर जिले में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान अलग-अलग परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के किया जिससे तेलंगाना की जनता को लगे कि हमारा विकास डबल इंजन की सरकार होने पर ही हो सकता है । भाजपा पार्टी इस बार तेलंगाना में मुख्यमंत्री के। चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की सरकार को पलटने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती। खासकर, कर्नाटक के हाथ से निकल जाने के बाद सत्ता के नजरिए से भाजपा का दक्षिणी राज्यों से सफाया हो गया, इसलिए वो तेलंगाना के जरिए देश के दक्षिणी हिस्से में सत्ता की अलख जगाए रखने को आतुर है।

नजरिया

भारत ग्लोबल साउथ की सशक्त आर्थिक आवाज

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

भारत स्वतंत्रता की प्राप्ति के बाद अथक प्रयास करने के पश्चात आधुनिक भारत के स्वप्न दृष्टा प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी कार्यप्रणाली इसी सोच के साथ आगे बढ़ाई थी कि भारत अब एक समृद्ध, शक्तिशाली एवं आर्थिक रूप से संपन्न राष्ट्र के रूप में वैश्विक स्तर पर उभर कर आया है। इसी तारतम्य में 1952 से प्रारंभ की गई पंचवर्षीय योजनाओं के तहत कृषि, उद्योग, विज्ञान और स्वास्थ्य में वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा सोच को मूर्त रूप दिया गया था। समय समय मैं सरकारें बदलती रहे और भारत विकास की ओर धीरे-धीरे बढता रहा। आज वर्तमान में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में आर्थिक स्थिति में जबरदस्त विकास किया है, भारत विश्व में पांचवी आर्थिक स्थिति बन चुका है दूसरी तरफ विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी में भी अहम स्थान

गांधीजी ने स्वतंत्रता के बाद कहा था कि मेरे सपनों का भारत कैसा भारत हो जिसमें गरीब से गरीब और वंचित से वंचित तथा पिछड़ा व्यक्ति भी भारत को अपना देश समझे तथा भारत की सरकार ऐसी सरकार जो अपनी नीतियां अंतिम व्यक्ति को सोचकर बना सके और उस व्यक्ति को सर्वाधिक लाभ प्राप्त हो सके। गांधी जी के सपनों के भारत को बनाने के लिए देश को सामाजिक, सांस्कृतिक, संस्कारिक, वैज्ञानिक और राजनीतिक रूप से शक्ति संपन्न बनाना होगा तभी भारत का हर नागरिक अपने भारत के नागरिक होने पर गर्व उच्च स्तर पर कर सकेगा।

रखता है। सामरिक तौर पर भी भारत की सेना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना विशेष स्थान रखती है। अब पाकिस्तान या चीन की इतनी हिम्मत नहीं है कि वह सीधा भारत पर आक्रमण कर सकें। भारत ने विकास कर यह साबित कर दिया है भारत अब पुराना भारत नहीं रहा है और अब किसी भी विषम परिस्थिति में भारत सीना तान कर खड़ा हुआ है।

मैं किसी पार्टी विशेष का पक्षधर नहीं हूं जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेई, डॉ मनमोहन सिंह और अब नरेंद्र मोदी जी ने भारत को वैश्विक पटल पर एक सम्मानजनक इस स्थिति में ला खड़ा किया है। अटल बिहारी जी के नेतृत्व में हम परमाणु शक्ति संपन्न देश बने थे और इंदिरा गांधी जी के नेतृत्व में हमने 1971 में पाकिस्तान को बुरी तरह हराकर कर उसका विभाजन कर बांग्लादेश नामक नए देश का जन्म करवाया था। पर मैं यहां बात विकास के वास्तविक धरातल और देश में गरीबी तथा बेरोजगारी उन्मूलन की करना चाह रहा हूं। हमारा देश अभी भी गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी, असमानता, अंधविश्वास, आडंबर और धार्मिक कट्टरपंथ का सामना करते हुए उस गति से विकास नहीं कर पा रहा है जिसके लिए वह अत्यंत समर्थ है। आज भारत की धमक अमेरिका से लेकर जापान तथा अफ्रीकी देशों में भी है भारत के प्रधानमंत्री मोदी जी का स्वागत अमेरिका फ्रांस ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड ब्राजील इजरायल और सऊदी अरेबिया देश के अनेक राज्यों के राष्ट्रीय प्रमुख हुक्मरानों ने दिल खोलकर किया है, नरेंद्र मोदी की वैश्विक हैसियत इसी बात से पता चलती है कि बाहुबली अमेरिका के राष्ट्रपति ने उनका ऑटोग्राफ लेने की गुजारिश की है और पापुआ न्यू गिनी के राष्ट्र प्रमुख ने उनके चरण छूकर उनका अभिवादन किया, यह संभवत चमत्कारिक प्रभाव भारत के शक्तिशाली होने एवं वैश्विक शांति के प्रति देश की प्रतिबद्धता के कारण ही हुआ है।

पर दूसरी तरफ भारत की अंदरूनी स्थिति में भारत 140 करोड़ की जनसंख्या वाला देश हो गया हैश्र विकास की कल्पना में भारत आर्थिक तौर पर एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हो, इस स्थान पर गरीबी बेरोजगारी असमानता का उन्मूलन हो चुका हो। इसी तरह भारत कच्चे तेल के संकट से मुक्त होकर उर्जा संपन्न देश बने और भारतीय मुद्रा का चलन वैश्विक स्तर मैं सम्मान पूर्वक हो सके। सामाजिक स्तर पर विभिन्न लक्षित वर्गो जैसे दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक, आदिवासी, महिलाओं तथा बच्चों के लिए लाभकारी नीति बनाई जानी चाहिए। अभी महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के के साथ सामाजिक तथा प्रशासनिक, वैज्ञानिक, चिकित्सकीय स्तर पर केवल कागजों में दिखाई देती है नारी प्रताड़ना का प्रतिशत अभी भी भारत में बहुत ज्यादा है। ग्रामीण क्षेत्र में बाल श्रम की स्थिति विकराल है अनाज का पर्याप्त भंडारण होने के बावजूद भूखमरी तथा बेरोजगारी भारत में सिर चढ़कर बोल रही है। इसी तरह भारत में सुरक्षा की दृष्टि से बहुत बड़ी बड़ी चुनौतियां हैं जैसे धार्मिक उन्माद, नक्सलवाद, चरमपंथी विचारधारा तथा विभिन्न राज्यों के आपसी विवादों से हमें मजबूती से निपटना होगा तब जाकर विकास की अवधारणा को मूर्त रूप दिया जा सकता है।

भारत की प्रति व्यक्ति आय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपेक्षित रूप से बहुत कम है। भारत अभी वैज्ञानिक, तकनीकी और सुरक्षा के उच्च स्तर पर नहीं पहुंच पाया है। जिससे वह हर देश से आर्थिक सामाजिक राजनीतिक रूप से संतुलन बनाकर आमने सामने बैठ कर बात कर सके और इतना सामर्थ हो भारत कि हम संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद के आमंत्रित सदस्य बनकर बुलाए जाएं।

गांधीजी ने स्वतंत्रता के बाद कहा था कि मेरे सपनों का भारत कैसा भारत हो जिसमें गरीब से गरीब और वंचित से वंचित तथा पिछड़ा व्यक्ति भी भारत को अपना देश समझे तथा भारत की सरकार ऐसी सरकार जो अपनी नीतियां अंतिम व्यक्ति को सोचकर बना सके और उस व्यक्ति को सर्वाधिक लाभ प्राप्त हो सके। गांधी जी के सपनों के भारत को बनाने के लिए देश को सामाजिक, सांस्कृतिक, संस्कारिक, वैज्ञानिक और राजनीतिक रूप से शक्ति संपन्न बनाना होगा तभी भारत का हर नागरिक अपने भारत के नागरिक होने पर गर्व उच्च स्तर पर कर सकेगा।

चुनावी हलचल

राजस्थान में भाजपा और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को शुरुआती बढ़त

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

देश के हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में चुनावी घमासान शुरू हो गया है। नेताओं ने चुनावी चक्रव्यूह की रचना के साथ दौरे शुरू कर दिये है। न्यूज चैनलों ने चुनावी सर्वे की बारिश कर दी है। राजनीतिक दलों ने दमखम के साथ अपने-अपने चुनावी अभियान को धार देने के साथ-साथ उम्मीदवारों की घोषणाएं भी शुरू कर दी हैं। जैसे-जैसे चुनावी सरगर्मी बढ़ती जा रही है, लोग आचार संहिता और चुनाव की घोषणा को लेकर कयास लगाने लगे हैं। हिंदी पट्टी के राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव को अगले साल होने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा है। तीनों राज्यों में कांग्रेस और भाजपा में सीधा मुकाबला है। वर्तमान में मध्य प्रदेश में भाजपा और राजस्थान तथा छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सत्ता पर काबिज है। पिछले चुनावों में हालाँकि तीनों राज्यों में कांग्रेस जीती थी मगर मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत के बाद भाजपा ने कांग्रेस का राजपाट छीन लिया था। जहां पार्टी अपनी-अपनी सरकारें बरकरार रखना चाहती हैं, साथ ही जिन राज्यों में वे सत्ता में नहीं हैं वहां वापसी करना

चाहती हैं। राजस्थान में हर पांच साल में सत्ता बदलने का रिवाज़ है मगर कांग्रेस इस बार यह रिवाज़ बदलकर सत्ता रिपीट करने का दावा कर रही है। गहलोत सरकार ने इस हेतु अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू कर जनता के मन को जीतने का प्रयास किया है। वहीं भाजपा ने लोगों को फ्री की रेवड़ियों के बहकावे में न आने को कहा है। राजस्थान में कांग्रेस के अशोक गहलोत मुख्यमंत्री हैं और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के भूपेश बघेल मुख्यमंत्री हैं। अशोक गहलोत और भूपेश बघेल, दोनों ही कांग्रेस आलाकमान के काफी करीबी माने जाते हैं और इसलिए भाजपा दोनों ही राज्यों में कांग्रेस को चुनाव में हराने की पुरजोर कोशिश कर रही है, ताकि गांधी परिवार को झटका दिया जा सके।

यही हाल मध्य प्रदेश का है जहाँ शिवराज सरकार दुबारा सत्ता में आने की जी तोड़ कोशिश कर रही है। यहाँ भाजपा ने अपने केन्द्रिय मंत्रियों सहित सांसदों को चुनावी मैदान में उतार दिया है। छत्तीसगढ़ में बघेल सरकार का रिपोर्ट कार्ड शुरू से ही ठीक है, यहाँ कांग्रेस सरकार के रिपीट होने की पूरी संभावनाएं व्यक्त की जा रही है। विभिन्न चुनावी और मीडिया रिपोर्टों का अध्ययन करने से यह साफ़ होता है की राजस्थान में भाजपा और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के काबिज होने में कोई रुकावट नहीं है। मध्य प्रदेश में कड़े संघर्ष के आसार है जहाँ फ़िलहाल कोई भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। कांग्रेस नेता राहुल गाँधी की माने तो मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस जीत रही है वहीँ राजस्थान में कड़ा मुकाबला है। हिंदी पट्टी के राज्यों में चुनावी प्रचार निरंतर जोर पकड़ता जा रहा है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गाँधी की रैलियां शुरू हो गई है। दोनों पार्टियों के लिए ये चुनाव करो या मरो से कम नहीं है।

देश के पांच राज्यों में होने जारहे विधान सभा चुनावों में सब की नजर हिंदी पट्टी के राज्यों पर टिकी है। हिन्दी पट्टीके राज्यों में कांग्रेस और भाजपा का सीधा मुकाबला है। ये चुनाव अगले लोकसभा चुनावों में मोदी के राजतिलक का फैसला करेंगे। ये चुनाव ही देश की दशा और दिशा निर्धारित करेंगे। चुनावी संघर्ष में मुख्य राजनीतिक दलों ने चुनाव जीतने के लिए साम, दाम, दंड और भेद का रास्ता अख्तियार किया है। शह और मात का खेल शुरू हो गया है। एक-दूसरे पर घात-प्रतिघात की राजनीति शुरू हो गई है। एक दूसरे को पछाड़ने के नित नए दांव लगाए जा रहे है। यात्रायें और रैलियां निकाली जारही है। आरोपों और प्रत्यारोपों की झड़ी लग गई है। चुनाव इस बार कई दृष्टियों से अनूठे है। भाजपा ने कांग्रेस की चुनावी व्यूह रचना को तोड़ने के लिए नए प्रयोग करने का निर्णय लिया है। पांच राज्यों के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है क्योंकि ये चुनाव मोदी के फेस पर ही लड़े जा रहेः है। प्रधानमंत्री मोदी साल 2014 से ही बीजेपी के ऐसे चेहरे हैं जिस पर बीजेपी की पूरी राजनीति टिकी हुई है। चुनाव कहीं भी हो मगर चेहरा सिर्फ नरेंद्र मोदी का ही होगा ।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भूख हड़ताल

राजमुंदरी में सोमवार को टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू की पत्नी नारा भुवनेश्वरी ने एन चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के खिलाफ दिन भर की भूख हड़ताल में भाग लेते हुए।

वैश्विक शक्ति-साझाकरण ढांचे में जगह पाने के लिए राजनीतिक प्रक्रिया में हिस्सा लें हिंदू : स्वामी विज्ञानानंद

वाशिंगटन/भाषा

प्रभावी हिंदू धार्मिक नेता स्वामी विज्ञानानंद ने बैंकॉक में हिंदू समुदाय की एक वैश्विक बैठक से पहले कहा है कि वैश्विक शक्ति-साझाकरण ढांचे में जगह पाने के लिए हिंदुओं को राजनीतिक प्रक्रिया में हिस्सा लेना चाहिए।

स्वामी विज्ञानानंद 'वर्ल्ड हिंदू फाउंडेशन' के संस्थापक एवं वैश्विक अध्यक्ष हैं। यह संगठन चार साल में एक बार विश्व हिंदू कांग्रेस का आयोजन करता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक दुनिया में हिंदू केवल भांगड़ा, डांडिया और प्राणायाम (सांसों को नियंत्रित करने की प्राचीन प्रथा) के माध्यम से अपनी पहचान नहीं बना सकते।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) से स्नातक विज्ञानानंद ने कहा, मैं इन सभी चीजों का सम्मान करता हूं, लेकिन शक्ति साझा करने के लिए हिंदुओं को अपनी मूल शक्ति पर ध्यान केंद्रित करने और रणनीति बनाने की जरूरत है। इस दिशा में अब तक ज्यादा प्रयास नहीं किए गए हैं।

भारतीय धार्मिक नेता ने कहा, हिंदुओं की आबादी वैश्विक जनसंख्या का छठा हिस्सा है, हम कई देशों में सबसे अमीर लोग हैं और हम शिक्षा और अकादमिक क्षेत्र में भी बहुत सफल हैं...। लेकिन वास्तविक सत्ता-साझाकरण में हमारी भूमिका नहीं हैं। उन्होंने कहा, हिंदुओं को राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेने की आवश्यकता है।

मैं किसी के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन उदाहरण के लिए कनाडा में हिंदुओं की संख्या खालिस्तानियों से कहीं ज्यादा है। लेकिन हमारे पास संसद में केवल चार सदस्य हैं। वे 27 हैं। असली सत्ता के खेल में 27 मायने रखते हैं, चार नहीं। यही हम वैश्विक हिंदू समुदाय को समझाने की कोशिश कर रहे हैं।

बैंकॉक में 24 से 26 नवंबर तक होने वाले अगले सत्र का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, इस दिशा में विश्व हिंदू कांग्रेस का यही फोकस और प्रयास है। उन्होंने कहा कि वैश्विक मंच पर हिंदुओं को शांतिप्रिय, सह-अस्तित्व में रहने वाले और योगदान देने वाले समुदाय के रूप में स्थापित करने की आवश्यकता है, जो सरकारी कल्याण पर निर्भर नहीं हैं। स्वामी विज्ञानानंद एक दशक से अधिक समय से विश्व हिंदू कांग्रेस के माध्यम से दुनियाभर के हिंदुओं को एक मंच पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में विश्व हिंदू कांग्रेस के तीसरे संस्करण में 60 से अधिक देशों के हजारों हिंदू शामिल होंगे। आखिरी विश्व हिंदू कांग्रेस 2018 में शिकागो में आयोजित की गई थी।

दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी से जुड़े सभी स्थलों के रखरखाव में सहायता करेगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोहानिसबर्ग/भाषा। भारत दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी से जुड़े सभी स्थलों के रखरखाव में सहायता करेगा। सोमवार को गांधीजी की 154वीं जयंती के मौके पर यहां भारतीय दूत ने यह बात कही।

गांधी जयंती के अवसर पर, उच्चायुक्त प्रभात कुमार ने यहां संवैधानिक न्यायालय परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की, जो कभी एक जेल थी। महात्मा तथा उनके अनुयायियों ने भेदभावपूर्ण कानूनों के प्रतिरोध के दौरान उसमें सजा काटी थी।

गांधी ने 1908 से 1913 के बीच यहां चार बार जेल की सजा काटी थी, जिनमें दक्षिण अफ्रीका में उनकी पहली सजा भी शामिल थी।

साल 2012 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने दक्षिण अफ्रीका यात्रा के दौरान गांधीजी की प्रतिमा का अनावरण किया था।

कुमार ने कहा, विदेश में अपनी तैनाती के दौरान मैंने हमेशा महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया है और अब दक्षिण अफ्रीका में ऐसा करते हुए बहुत खास महसूस हो रहा है क्योंकि गांधीजी 21 साल तक यहां रहे थे।

कुमार ने कहा, भारत की ओर से समर्थन जारी रहेगा... (दक्षिण अफ्रीका में) महात्मा गांधी से जुड़े सभी स्थानों का भारत सरकार ख्याल रखेगी।

जिम्बाब्वे में विमान हादसा, भारतीय खनन कारोबारी और उसके बेटे समेत छह लोगों की मौत

जोहानिसबर्ग/भाषा। दक्षिण-पश्चिमी जिम्बाब्वे में एक निजी विमान तकनीकी खराबी के कारण हीरे की एक खदान के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार एक भारतीय खनन कारोबारी और उसके बेटे सहित छह लोगों की मौत हो गई। मीडिया में प्रकाशित खबरों से यह जानकारी सामने आई है। समाचार वेबसाइट 'आईहरारे' ने अपनी खबर में बताया कि मशावा के जवामहांडे इलाके में हुए विमान हादसे में खनन कंपनी 'रियोजिम' के मालिक हरपाल रंधावा, उनके बेटे और चार अन्य लोगों की मौत हो गई। 'रियोजिम' सोने और कोयले का उत्पादन करने के साथ-साथ निकल और तांबे को परिष्कृत करने वाली एक प्रमुख खनन कंपनी है। खबर के मुताबिक, रियोजिम' के स्वामित्व वाला सेसना 206 विमान शुक्रवार को हरारे से मुरोवा हीरा खदान की ओर जा रहा था, तभी यह दुखद हादसा हुआ। एकल इंजन वाला विमान मुरोवा डायमंड खदान के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ऐसे शत्रु से लड़ती है, जिसे बाहर से समर्थन मिलता है : विशेष डीजीपी

श्रीनगर/भाषा

जम्मू-कश्मीर में विशेष पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आर आर स्वैन ने सोमवार को कहा कि केंद्रशासित प्रदेश की पुलिस एक ऐसा अनूठा बल है, जो ऐसे शत्रु से लड़ता है, जिसे बाहर से शह मिलती है और जो भीतर अपनी जड़ें जमाने की कोशिश करता है। विशेष डीजीपी ने महात्मा गांधी के अहिंसा के विचार का जिक्र करते हुए कहा कि अहिंसा की स्थिति अहिंसक लोगों को हिंसक लोगों से बचाकर ही हासिल की जा सकती है।

स्वैन ने यहां डल झील के तट पर पुलिस द्वारा आयोजित मैराथन दौड़ के समापन के बाद संवाददाताओं से कहा, जम्मू-कश्मीर पुलिस एक अद्वितीय बल है क्योंकि यह एक ऐसे दुश्मन से मुकाबला कर रहा है जो बहुत संगठित है, जिसे बाहर से ताकत प्राप्त हो रही है और जो आंतरिक रूप से खुद को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। जम्मू-कश्मीर पुलिस लोगों के समर्थन से और उनके लिए इस दुश्मन से लड़ रही है। स्वैन ने कहा कि ऐसी लड़ाई लड़ने के लिए बहुत साहस की जरूरत होती है क्योंकि यह लड़ाई भीतर के कुछ लोगों के खिलाफ होती है। उन्होंने कहा, इसके लिए बहुत साहस की जरूरत होती है। अन्य बलों को इसका सामना नहीं करना पड़ता। अन्य बलों के पास कौशल, अनुभव और ज्ञान है लेकिन हमारी कठिनाइयों और उनकी कठिनाइयों में कई अंतर हैं। हमारी लड़ाई का सबसे बड़ा प्रयास लोगों में भय कम करना है। उन्होंने कहा, इसलिए, तमाम कठिनाइयों के बावजूद पुलिस यह लड़ाई चुपचाप लड़ती है... वह समाज के उस वर्ग को ध्यान में रखते हुए यह लड़ाई लड़ती है, जिसकी बात नहीं सुनी जाती- चाहे वह गरीब दुकानदार हो, निम्न रैंकिंग वाला सरकारी कर्मचारी हो, वकील हो या पत्रकार हो।

मोदी को मिले उपहार, स्मृति चिह्न एनजीएमए में नीलामी के लिए रखे गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पिछले कुछ वर्षों में मिले स्मृति चिह्नों और उपहारों को यहां राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (एनजीएमए) में प्रदर्शनी के लिए रखा गया है।

सोमवार से शुरू हुई प्रदर्शनी में रखे सभी उपहारों की नीलामी की जाएगी।

मोदी ने 'एक्स' पर प्रदर्शनी की कुछ तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने कहा, आज से एनजीएमए दिल्ली में एक प्रदर्शनी शुरू हो रही है जिसमें

मुझे पिछले कुछ वर्षों में प्रदान किए गए उपहारों और स्मृति चिह्नों को प्रदर्शित किया जाएगा। भारत में अनेक कार्यक्रमों में मुझे दिए गए ये उपहार भारत की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और कलात्मक धरोहर का प्रमाण हैं।

मोदी ने कहा, हमेशा की तरह, इनकी नीलामी की जाएगी और उससे प्राप्त राशि को नमामि गंगे परियोजना में दिया जाएगा।

इससे पहले केंद्रीय संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने इस संबंध में संवाददाताओं को संबोधित किया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, प्रधानमंत्री को अनेक मौकों पर प्रदान किए गए स्मृति चिह्नों और उपहारों की नीलामी अब चालू है। सभी से अनुरोध है कि ई-नीलामी में शामिल हों और नमामि गंगे परियोजना में योगदान दें।

फिल्म 'तेजस' का टीजर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की आने वाली फिल्म तेजस का टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म तेजर के टीजर में कंगना एयरफोर्स पायलट तेजस गिल के रोल में नजर आ रही हैं।टीजर की शुरुआत में दिखाया जाता है कि कंगना एयरफोर्स पायलट की ड्रेस पहनती हुई एक जुनून और जज्बे के साथ बाहर निकलती हैं। इस दौरान वॉइसओवर में कहा जाता है 'जरूरी नहीं हर बार बातचीत हो, जंग के मैदान में जंग होनी चाहिए। कि हो गया है मेरे वतन पर बहुत सितम। अब तो आकाश से आग नहीं, बारिश बरसनी चाहिए। भारत को छेड़ोगे, तो छोड़ेंगे नहीं।' सर्वेश मेवारा के निर्देशन में बनी फिल्म 'तेजस' रॉनी स्क्रूवाला ने प्रोड्यूस किया है।यह फिल्म 27 अक्टूबर को रिलीज होगी।

सम्मान

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर सोमवार को नई दिल्ली में 19वें एशियाई खेल 2022 के पदक विजेताओं के सम्मान समारोह में।

फिल्म 'हर हर गंगे' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के पावरस्टार पवन सिंह की आने वाली फिल्म हर हर गंगे का ट्रेलर रिलीज हो गया है। गांधी जयंती के अवसर पर गंगा स्वच्छता अभियान पर बनी भोजपुरी फिल्म हर हर गंगे का ट्रेलर सिलेमा आर्ट के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज कर दिया गया हैं। फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत में दिखाया जाता है कि पवन सिंह बनारस घाट से गंगा को स्वच्छ और साफ रखने के लिए मुहिम चलाते हैं।ट्रेलर में पवन सिंह के साथ अरविंद अकेला कल्लू ,सुशील सिंह ,अमित तिवारी भी दमदार रोल में नजर आ रहे है। सिलेमा आर्ट के बैनर तले बनी फिल्म हर हर गंगे के निर्माता अभय सिंह,एके पाण्डेय, वाई आर वर्मा है, जबकि निर्देशक चंदन कन्हैया उपाध्याय हैं। चंदन कन्हैया उपाध्याय ने बताया कि फिल्म हर हर गंगे सिर्फ एंटरटेनमेंट के लिए नहीं बनाया गयी है,इसमें संदेश भी छिपा हुआ है कि हमे अपने देश की सबसे पवित्र नदी गंगा माई के जल को स्वच्छ रखने के लिये जागरूक होना होगा।वही पवन सिंह ने कहा, सभी लोग फिल्म हर हर गंगे को जरूर देखिए हम सभी मिलकर गंगा को स्वच्छ और सुंदर बनाये।

डॉली सोही की 'परिणीति' में हुई वापसी

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस डॉली सोही, जो पहले अपने अपकमिंग शो 'झनक' की शूटिंग कर रही थीं, अब अपने पिछले शो 'परिणीति' से वापसी कर रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा, ''मैंने परिणीति में वापसी की, क्योंकि यह ट्रैक की डिमांड है और कहानी मेरे इर्द-गिर्द घूमती है। मैं महिला नायक परिणीत (आंचल साहू) की मां गुरप्रीत कक्कड़ की भूमिका निभा रही हूं।'' मेरी भूमिका के अपहरण और अस्पताल में भर्ती होने के बाद वर्तमान टेलिकास्ट में और अधिक मोड़ आएंगे। डॉली को 'भाभी', 'कुमकुम भाग्य' जैसे शो में प्रमुख भूमिकाएं निभाने के लिए जाना जाता है और आखिरी बार उन्हें 'पिया अभिमानी' में देखा गया था।

अभिनेत्री ने कहा कि वह एकता कपूर और बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ कई सालों से जुड़ी हुई हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मैंने पहले अपकमिंग शो 'झनक' के लिए कोलकाता और कश्मीर में अपनी शूटिंग पूरी कर ली थी। और जब मैं मुंबई वापस लौटी, तो मुझे बताया गया कि मेरा किरदार 'परिणीति' में वापसी कर रहा है। मैं आसानी से इसे संभाल सकती थी क्योंकि हमने अभी तक यहां मुंबई में 'झनक' की शूटिंग शुरू नहीं की है। उन्होंने आगे कहा, 'परिणीति', बालाजी टेलीफिल्म्स द्वारा निर्मित है। यह प्रोडक्शन मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि मैंने उनके साथ 2000 में 'कलश' के साथ रानू के रूप में अपनी सफल शुरुआत की थी और एकता कपूर के साथ मेरा रिश्ता हर अगले शो के साथ मजबूत होता गया। मैंने उनके लिए काम किया। वह विनम्र और दयालु हैं। यह मेरे लिए अपने घर वापस लौटने जैसा है। एक्ट्रेस इसलिए भी खुश हैं क्योंकि 'परिणीति' की टीम के साथ उनका अच्छा रिश्ता है। उन्होंने अंत में कहा, पूरी टीम के साथ काम करना बहुत अच्छा है। मेरा उनके साथ अच्छा रिश्ता है। उनके साथ दोबारा जुड़ना एक अवसर की तरह है। 'परिणीति' में आंचल साहू, तन्वी डोगरा और अंकुर वर्मा हैं।

ऋतिक रोशन ने की सबा आजाद की तारीफ

मुंबई/एजेन्सी

सुपरस्टार ऋतिक रोशन ने वेब सीरीज 'हू इज योर गाइनैक?' में अपनी गर्लफ्रेंड सबा आजाद के काम की सराहना करते हुए उन्हें 'अद्भुत' बताया और कहा कि उन्हें इस पर गर्व है। 'हू इज योर गाइनैक?' यह वह कहानी है जो सबा द्वारा निभाए गए मुख्य किरदार डॉ विदुषी के जीवन और एक नई स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में जीवन में आने वाली चुनौतियों के इर्द-गिर्द घूमती है। यह शो फ्रेशर ओबी-जीवाईएन की यात्रा को बताता है, जो प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों तरह से बैलेंस बनाने की कोशिश कर रही है। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ऋतिक ने अपनी गर्लफ्रेंड का समर्थन किया और एक कोलाज साझा किया, जिसमें सबा और अन्य स्टार कास्ट की तस्वीरें हैं। एक्टर ने एक नोट भी लिखा, ''यह दिल को छू लेने वाला शो है! हमने सभी एपिसोड देखे, मैं इसे देखने से खुद को रोक नहीं सका। बढ़िया काम दोस्तों! पूरी टीम को बधाई!'' एक अन्य पोस्ट में, ऋतिक ने लिखा: ''हर अभिनेता तालियों का हकदार है। हंसी और आंसुओं के लिए धन्यवाद... और सबा आजाद, आप कितनी अद्भुत हैं। आपको इस पर बहुत गर्व होना चाहिए,'' इसके साथ उन्होंने रेड हार्ट वाला इमोजी शेयर किया। ऋतिक की पोस्ट का जवाब देते हुए, सबा ने रेड हार्ट वाला इमोजी के साथ कहा: धन्यवाद रो। द वायरल फीवर (टीवीएफ) द्वारा निर्मित यह शो अमेजन मिनी टीवी पर स्ट्रीम हो रहा है। ऋतिक ने 20 दिसंबर 2000 को सुजैन खान से शादी की और नवंबर 2014 में दोनों का तलाक हो गया। इस शादी से दो बेटे रेहान और ऋदान हैं। ऋतिक और सबा एक साल से ज्यादा समय से डेट कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो, ऋतिक के पास एरियल एक्शन ड्रामा 'फाइटर' है। फिल्म में दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर भी हैं।

'स्काई फोर्स' अगले वर्ष होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर, बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने सोमवार को अपनी अगली फिल्म 'स्काई फोर्स' का टीजर साझा किया। सोशल मीडिया पर अक्षय ने फिल्म का टीजर साझा किया, जो भारत के पहले और सबसे घातक हवाई हमले की एक अनकही कहानी पर आधारित है। टीजर की शुरुआत लाल बहादुर शास्त्री की एक ओरिजनल क्लिप से होती है, जिसमें उन्हें यह कहते हुए देखा जा सकता है: ''तलवार की नोक पर, या एटम बम के डर से, कोई हमारे देश को झुकाना चाहे, दबाना चाहे, ये देश हमारा दबने वाला नहीं है।'' ''हम हत्यारो का जवाब, हत्यारो से दें।

जय हिंद,'' फिल्म में एक्टर वीर पहाड़िया का परिचय दिया गया है। दिनेश विजान, ज्योति देशपांडे और अमर कौशिक द्वारा निर्मित, संदीप केवलानी और अभिषेक अनिल कपूर द्वारा निर्देशित, यह फिल्म 2 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अक्षय ने टीजर को कैप्शन दिया, ''आज गांधी-शास्त्री जयंती के दिन, सारा देश कह रहा है- जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान।

'स्काई फोर्स' की अविश्वसनीय कहानी की घोषणा करने के लिए आज से बेहतर कोई दिन नहीं है: भारत की पहली और सबसे घातक हवाई हमले की हमारी अनकही कहानी। कृपया इसे प्यार दें। जय हिंद, जय भारत। जियो स्टूडियोज और दिनेश विजान द्वारा प्रस्तुत, 'स्काई फोर्स' 2 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में उड़ान भरेगी।''

फैंस ने टीजर पर कमेंट किया और लिखा, वेटिंग खिलाड़ी सर, इंतज़ार नहीं कर सकते, एक और मास्टरपीस लोड हो रहा है, ब्लॉकबस्टर। अक्षय की अगली मराठी फिल्म 'वेदत मराठे वीर दौडले सात' है, जो पाइपलाइन में 'सोरारई पोटरू', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'हियर फेरी 3', 'शंकरा' और 'सिंघम अगेन' की एक अनटाइटल्ड रीमेक है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520 Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016 posted at Patrika Channel, Egmore RMS, Chennai-8

WORLD SPACE WEEK 2023

SATISH DHAWAN SPACE CENTRE SHAR, SRIHARIKOTA
INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION (ISRO)

and

KONGUNADU ARTS AND SCIENCE COLLEGE
COIMBATORE

Jointly organize

SPACE EXHIBITION AND COMPETITIONS

5th-7th October, 2023

Events

Win Exciting Prizes

Special Video Show

SCHOOL STUDENTS

Colouring Competitions
5th Oct 2023 2:00 pm
1st to 3rd Standard
Note: Participants should bring colouring materials

Drawing Competitons
5th Oct 2023 2:00 pm
4th and 5th Standard
Note: Participants should bring colouring materials

Written Quiz
5th Oct 2023 2:00 pm
6th to 12th Standard
Note: Multiple choice questions. Participants should bring black pen

Extempore
6th Oct 2023 10:00 am
6th to 12th Standard - Tamil & English
Note: Topic will be given on the spot

Poster/Painting Competition
6th Oct 2023 10:00 am
6th to 12th Standard
Note: Space based theme

Live Model Design Competition
6th Oct 2023 10:00 am
6th to 12th Standard
Note: Max. 4 members per team
The model should be related to space activities

COLLEGE STUDENTS

Extempore
6th Oct 2023 10:30 am
Note: Topic will be given on the spot

Live Model Design Competition
6th Oct 2023 2:00 pm
Note: Max. 4 members per team
The model should be related to space activities

No Entry Fee Open To Public

Guest Lectures & Interaction with ISRO Scientists

Special Events

Inauguration	: 5th Oct 10.00 am
Space Exhibition & Video Show	: 5th to 7th Oct
Competitions	: 5th to 6th Oct
Valedictory	: 7th Oct 2.00 pm

World Space Week OCTOBER 04 - 10

KONGUNADU ARTS AND SCIENCE COLLEGE, COIMBATORE

For Enquiries

88837 71666

wswcbe2023@gmail.com   www.kongunaducollege.ac.in

Dr. G.Dhandapani
Asst. Professor, Department of Botany
95975 10766
gdhandapani@kongunaducollege.ac.in

Dr. K.Saminathan
Asst. Professor, Department of Chemistry
98948 43371
ksaminathan@kongunaducollege.ac.in

Mr. V.Stanley
Public Relations Officer
95004 00093
yonstan@gmail.com

Shri T. Subbananthan
9440301383 / 08623222213
subbananthan.t@shar.gov.in

Shri A.Rameshkumar
094437 88975 / 08623 227077
rameshkumar.a@shar.gov.in

Shri C.Ramsenthil
9491449156 / 08623 222111
ramsenthil@shar.gov.in

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.